प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220

वर्ष-3 | अंक-173 | मथुरा, सोमवार, 18 अगस्त 2025 | पेज-12 | 5 रुपया

www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

uniquesamay.com

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update

हथिनी कुंड से छोड़े पानी ने बढ़ाई धड़कनें, यमुना ने दिखाई अपनी शक्ति

मथुरा में बाढ़ के अलार्म की बजी घंटी

विश्राम घाट पर यमुना का पानी हिलोरे मारते हुए।

बंगाली घाट के सामने यमुना का नजारा।

छाया : प्रदीप मिश्रा

मथुरा के विश्राम घाट पर पहुंचा पानी

वृंदावन के केशी घाट की सभी सीढ़ियां पानी में डूबी

मथुरा में चेतावनी को पार कर गया पानी

डीएम समेत अन्य अधिकारियों ने बढ़ाई निगरानी

वृंदावन स्थित खादर क्षेत्र में मकानों के आसपास मंडराता पानी।

मथुरा में स्वामीघाट फाटक से यमुना जल से निकलते हुए लोग।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। हथिनी कुंड से 1 लाख 71 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने का असर अब मथुरा में साफ नजर आने लगा है। मथुरा में यमुना में बढ़ता जल स्तर खतरे के निशान को छूने के प्रयास में है। शेरगढ़–नौहझील के बीच का रास्ता पूरी तरह से पानी में डूब गया। वृंदावन में केशीघाट की सीढ़ियां पूरी तरह से डूब गईं। मथुरा में विश्रामघाट पर पानी हिलोरे मारने लगा। यमुना में हिलोरे मारते हुए आगे बढ़ते पानी से अब निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। खादर क्षेत्र में बसी आबादी को अलर्ट कर दिया है। इस बीच डीएम चंद्र प्रकाश सिंह तथा एसएसपी श्लोक कुमार ने तहसील मांट के ग्राम पंचायत डांगोली बाढ़ चौकी का निरीक्षण किया। कल सायं हथिनी कुंड से छोड़ा गया एक लाख क्यूसेक पानी बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ते हुए मथुरा तक आ गया। दिल्ली में बाढ़ की स्थिति को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक्शन मोड में है। उनकी नजर निरंतर यमुना के बढ़ते जल स्तर पर है। दिल्ली से आगे बढ़ते हुए पानी का असर मथुरा जिले की सीमा शेरगढ़–नौहझील मार्ग पर साफ दिखाई दे रहा है। यहां दोनों कस्बों के बीच रास्ता बाधित हो गया है। लोगों के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है। इसके बाद वृंदावन में मुख्य केशी घाट की सभी सीढ़ियां पानी में डूब गई हैं। यमुना के घाटों पर होने वाली आरती में बाधा हो रही है। देवराहा घाट पर भी यमुना हिलोरे मार रही है। मथुरा के विश्राम घाट पर यमुना चढ़ गई है। नजारा देखकर भक्त यमुना महारानी की जय–जयकार करने लगे। प्रयागघाट पर यमुना का जलस्तर 165.81 था। यहां पर पानी चेतावनी को पार कर चुका है।

प्रशासन ने नाव चलाने और गाने बजाने पर लगाया प्रतिबंध

कयास लगाए जा रहे हैं कि संभवत रात को यमुना में हिलोरे मारता पानी खतरे के निशान को अपने आगोश में ले लेगा। गोकुल बैराज से आगरा के लिए सायं चार बजे 82040 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। यमुना में बढ़ते जल स्तर को लेकर खादर क्षेत्र में बसी आबादी के लोगों के माथे पर टेंशन साफ दिखाई दे रही है। आशंका जाहिर की जा रही है कि यदि रात को पानी घरों की ओर बढ़ा तो कहां रहेंगे।

आरती घाट यमुना के पानी में डूबा हुआ। यहां संत आनंद स्वरूप गंगा बाबा पिछले कई सालों से आरती करते आ रहे हैं।

खादर क्षेत्र में बसी आबादी के बीच पहुंचे यमुना के पानी का नजारा।

वृंदावन में यमुना के हिलोरों के बीच स्टीमर में बैठे श्रद्धालु आनंद लेते हुए।

वृंदावन में केशीघाट स्थित परिक्रमा मार्ग की कुटिया में घुसे पानी का नजारा।

फोटो खींचना मना है....

मंदिर में फिर फोटो कैसे खींचे और कैसे वीडियो बने

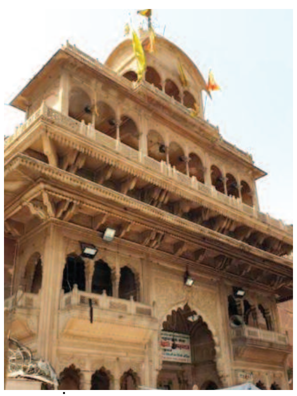

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में फोटो खींचना मना है। इस चेतावनी के बोर्ड मंदिर परिसर में लगे हैं। यदि कोई श्रद्धालु मोबाइल से फोटो खींचता है तो निजी सिक्योरिटी के जवान श्रद्धालु को टोकता है और रोकता है। हैरानी की बात यह है कि मंगला आरती के समय मंदिर के आंगन में मोबाइलों से खींचे जाने के वायरल वीडियो ने सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर आम श्रद्धालु प्रश्न कर रहे हैं कि आखिरकार किसके आदेश पर फोटो खिंचे और वीडियो बने।

ऐसी बात नहीं कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में फोटो खिंचने वाले और वीडियो बनाने वाले कैद नहीं हुए हों। मंदिर प्रशासन ने तीसरी आंख को नजर अंदाज कर दिया। इसके पीछे की वजह यह भी बताई जा रही है कि फोटो खींचने वालों में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी शामिल थे। वायरल वीडियो और फोटो में मंगला आरती होती दिख रही है। अब सोशल मीडिया पर मंगला आरती के समय की गई फोटोग्राफी और वीडियो को लेकर आम श्रद्धालु प्रश्नों की बौछार कर रहे हैं और अब उत्तर के इंतजार में हैं। कोई तो जिम्मेदारी लेगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बाजार में उछाल

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आई लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ ने बाजार में जान डाल दी। लड्डू गोपाल की पोशाक, श्रृंगार के सामान की खूब खरीदारी हुई। श्रीकृष्ण जन्मस्थान, ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर, वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के आसपास बाजार की दुकानों में ग्राहकों की भीड़ नजर आई। सभी अपने घरों के लिए लड्डूगोपाल, पोशाक और श्रृंगार का सामान खरीदते देखे गए। एक अनुमान के अनुसार मथुरा और वृंदावन से कई करोड़ रुपये का बिजनेस हुआ है। हालांकि कोई भी व्यापारी मुंह खोलने के लिए तैयार नहीं है। सिर्फ इतना ही इशारा दे रहे हैं कि ठाकुरजी की कृपा इसी तरह से बनी रहे।

अधिकांश श्रद्धालु बोले...

ठाकुरजी की इच्छा, घर बैठे दर्शन कर मिली तसल्ली

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भीड़ की खबर सुनकर डर सा लगा। मंदिर तक कैसे जाएंगे। पुलिस दस जगह रोकेगी और टोकेगी। भीड़ में घुसेंगे तो धक्का मुक्की होगी। मन की इच्छा पूरी हुई सोशल मीडिया से। घर बैठे श्रीकृष्ण जन्म स्थान से ठाकुर जी के अभिषेक और महाआरती के दर्शन और ठाकुर बांके बिहारी महाराज की मंगला आरती के दर्शन किए। वृंदावन निवासी अभय वशिष्ठ का कहना है मंदिर जाकर दर्शन करने का मन था, लेकिन भीड़ के कारण घर पर सोशल मीडिया ने दर्शन करा दिए। वृंदावन के रहने वाले मोहन प्रकाश कहते हैं कि भीड़ के कारण वह कई सालों से मंदिर नहीं गए। सोशल मीडिया पर दर्शन करके मन को तसल्ली मिल जाती है। महिला श्रद्धालु मीना कुमारी का कहना है कि वह बच्चों के साथ बांके बिहारी मंदिर गई थी, लेकिन रास्ते से लौट आई। रात को बहुत भीड़ थी। आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं हुई। महिला श्रद्धालु शारदा गुप्ता का कहना था कि भीड़ में जाने का मन नहीं करा। उसने सोच लिया था कि घर से हाथ जोड़ लेंगे, ठाकुरजी कृपा करेंगे तो ऐसे ही कर देंगे। इसी तरह से मथुरा के कई परिवारों ने कहा कि उन्होंने घर बैठे ही श्रीकृष्ण जन्म स्थान से हो रहे प्रसारण को आधी रात तक देखा और ठाकुरजी के दर्शन किए।

श्री राधा कालिंदी कॉलोनी में धूमधाम से मना नंद उत्सव

यूनिक समय, मथुरा। श्री राधा कालिंदी रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी, जयसिंहपुरा द्वारा योगीराज भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नंद उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। पूरा परिसर भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम की शुरुआत नंद बाबा और यशोदा मैया की भव्य शोभायात्रा से हुई, जो "हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की" के जयघोषों के साथ कॉलोनी की मुख्य सड़कों से गुजरती हुई मंदिर परिसर में पहुंची। आकर्षक तोरण द्वारों, रंग-बिरंगी सजावट और पुष्प वर्षा ने माहौल को अलौकिक बना दिया। नंद बाबा घोड़े पर और यशोदा मैया पालकी में सवार होकर पहुंचे, वहीं प्रकाश बैंड के मधुर सुरों ने सबका मन मोह लिया। मंदिर में सपरिचित विष्णु शर्मा की भजन मंडली ने ऐसी प्रस्तुति दी कि भक्त झूमने को मजबूर हो गए। भगवान कृष्ण के जन्म की खुशी में उपहार वितरण हुआ और कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट प्रसादी के साथ हुआ। आयोजन में समिति के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व कॉलोनीवासी सक्रिय रूप से सहभागी रहे।

सजी शोभायात्रा और गूंजे भजन

अंश द्विवेदी का मेरठ मेवरिक्स की टीम में चयन

यूनिक समय, मथुरा। वृन्दावन निवासी अंश द्विवेदी का 17 अगस्त से शुरू हुई यूपी लीग के लिये इस बार मेरठ मेवरिक्स की टीम में चयन हुआ है। अंश द्विवेदी को वर्ष 2023 में सबसे पहले मेरठ मेवरिक्स टीम ने ऑक्शन में खरीदा था। वर्ष 2024 में गोरखपुर लाइंस ने ऑक्शन में खरीदा। पहले भी अंश द्विवेदी मेरठ मेवरिक्स की टीम से खेल चुके है। अंश द्विवेदी 2024 में गोरखपुर लाइंस टीम का हिस्सा रहें। पुनः अब उनका मेरठ की टीम में बतौर ऑलराउंडर चयन किया गया है।

नगर निगम के कर्मचारी होंगे सम्मानित

कार्यालय प्रतिनिधि

यूनिक समय, मथुरा। योगीराज श्री कृष्ण के 5252 वें जन्मोत्सव पर काम करने वाले सफाईकर्मियों को मथुरा-वृंदावन नगर निगम सम्मानित करेगा। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने बताया कि जन्माष्टमी पर शहर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इसके लिए कर्मचारियों ने बहुत मेहनत की, जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में उन कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। यह सम्मान कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रोत्साहित करने के लिए दिया जा रहा है। इसके अलावा नगर निगम ने जन्माष्टमी पर शहर को सजाने और संवारने, जगह-जगह रंगोली बनाने, तोरणद्वार लगाने और आकर्षक सजावट करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

सहकारिता से जुड़े कृषकों को जारी होगा 11 अंकों का विशेष कोड

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी के सहकारिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) जेपीएस राठौर ने जिला सहकारी बैंक के सभी अध्यक्ष, सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक, उपमहाप्रबन्धक, बैंक जिला विकास प्रबन्धक, नाबार्ड, संयुक्त/उप/सहायक आयुक्त, सहायक निबन्धक, सहकारिता, अपर जिला सहकारी अधिकारी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयुक्त एवं निबन्धक, सहकारिता, प्रबन्धक निदेशक, उप्र कोआपरेटिव बैंक के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सहकारिता से न जुड़ने वाले लोगों को सदस्यता ग्रहण कराने के लिये 01 सितम्बर से सदस्यता महाभियान-02 चलाये जाने पर जोर दिया। इसके तहत सदस्यों का सहकारी समितियों एवं बैंक में खाता खोला जायेगा। इस योजना में प्राथमिक डेयरी समितियों के सदस्यों को भी शामिल किया जायेगा। सहकारी समितियों/उर्वरक विक्रय केन्द्रों के क्यूआर कोड बनाये जाने के निर्देश दिये गये, जिसके माध्यम से सही उर्वरक मूल्य का भुगतान कृषक द्वारा किया जा सके। इससे उर्वरकों के कालाबाजारी पर रोक लग सकेगी। समितियों एवं समिति सदस्यों/कृषकों के कोडिंग कार्य में प्रगति लाये जाने के निर्देश दिये। इससे प्रदेश के सभी कृषक सदस्यों को 11 अंकों का विशेष कोड प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर, जिला विकास प्रबन्धक, नाबार्ड अभिषेक शुक्ला, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता, विवेक कौशल, बैंक के सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी दमन लाल शर्मा, उपमहाप्रन्धक, सुमित कुमार शर्मा आदि उपस्थित थे।

यूपी के सहकारिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) जेपीएस राठौर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बात करते अधिकारी।

राज्य कर्मचारियों के लिए खेल चयन ट्रायल्स की घोषणा

यूनिक समय, मथुरा। स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा स्थित जिला खेल कार्यालय ने राज्य कर्मचारियों के कल्याणार्थ खेल चयन/ट्रायल्स की तिथियां घोषित कर दी हैं। यह ट्रायल्स जिला, मण्डल और प्रदेश स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ होगी। इन खेलों में टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, फुटबॉल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, पावरलिफ्टिंग, क्रिकेट और हॉकी शामिल हैं। प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स अयोध्या, आगरा, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर, प्रयागराज, रायबरेली, प्रतापगढ़, लखनऊ वाराणसी, सीतापुर, कानपुर, बलिया, गाजियाबाद, रामपुर और अमेठी जैसे विभिन्न जिलों में आयोजित होंगे। ट्रायल्स में भाग लेने वाले सभी सरकारी कार्मिकों को ड्यूटी पर माना जाएगा तथा यात्रा भत्ता उनके मूल विभाग द्वारा दिया जाएगा। हालांकि परिषद, बोर्ड, निगम, पंचायत, पुलिस विभाग और शिक्षा विभाग (जैसे अध्यापक, सहायक अध्यापक) से जुड़े कर्मचारी इसमें भाग नहीं ले सकेंगे। जिला खेल अधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया है कि इच्छुक कर्मचारियों को कार्यमुक्त कर चयन/ट्रायल्स में भाग लेने हेतु भेजें।

गुजरात से आए श्रद्धालु की गोकुल में मौत

होटल के एक कमरे के बाथरूम में मिला शव

परिवार के अन्य लोग भी ठहरे हुए थे दूसरे कमरे में

छाता में एक कंपनी का कर्मचारी कमरे में मृतावस्था में मिला

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन के टाटम्बरी आश्रम में होने वाली भागवत कथा में शिरकत करने के लिए आए गुजरात के परिवार के एक सदस्य की रसखान नगरी के समीप स्थित एक होटल में मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना में छाता की एक कंपनी में काम करने वाला कर्मचारी कमरे में मृतावस्था में मिला। कर्मचारी प्रयागराज का रहने वाला है। घनश्याम भारवाड़ (52) निवासी मकान नंबर 125 भारवाड़वांस निशाल जुड़जुवैला थाना सानंद जिला अहमदाबाद गुजरात अपने परिवार के साथ 10 अगस्त को गोकुल मे टाटम्बरी आश्रम में होने वाली भागवत कथा श्रवण के लिए आए थे। वह रसखान समाधि के पास रमण रेती स्थित एक होटल में ठहरे हुए थे। होटल के एक कमरे में घनश्याम भारवाड़ और उनके कमरे के सामने उनकी पत्नी व बेटी आदि थी। बताया गया कि आज प्रातः जब परिवार के लोगों ने देखा तो वह अपने कमरे के बाथरूम में पड़े हुए मिले। उनके सिर पर चोट का निशान था। उनकी इस हालत को देख परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। प्रमोद कुमार ने 112 पीआरवी को फोन कर इस बारे में जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचाकर शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार परिवार के लोगों ने बताया कि घनश्याम भारवाड़ मधुमेह रोग से पीड़ित थे। दूसरी दुर्घटना छाता इलाके में हुई। गांव बजहर सीरसा प्रयाग राज निवासी धर्मराज पटेल छाता की एसकेएस लिमिटेड इंटरा फेक्चर कंपनी में नौकरी करता था। वह छाता में किराए के मकान में रह रहा था। आज प्रातः कमरे मे वह मृतावस्था में मिला। उनके साथियों ने पुलिस और कंपनी को इस बारे में जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बात की आशंका जाहिर की जा रही है कि धर्मराज पटेल की मौत हार्ट अटैक के कराण हुई है।

बाइक की टक्कर से श्रद्धालु गंभीर घायल

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गांव परखम स्थित बंदर वाले हनुमान मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहे श्रद्धालु को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार और श्रद्धालु घायल हो गए। थाना क्षेत्र के गांव मुस्तफाबाद निवासी देवेंद्र पुत्र भागीरथ परखम-झुड़ावई मार्ग स्थित बंदर वाले हनुमान मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहे थे। रविवार रात करीब नौ बजे वह माता चांमुड़ा मंदिर के समीप पहुंचे, तभी गांव सरुरपुर निवासी मानवेंद्र पुत्र राजवीर ने उनको टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही श्रद्धालु और बाइक सवार नीचे गिर गए। दोनों घायल हो गए। जानकारी पर परखम पुलिस चौकी प्रभारी मौके पर आ गए। दोनों घायलों को फरह स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से गंभीर घायल देवेंद्र को स्वजन मथुरा के निजी अस्पताल ले गए।

परचून की दुकान से चोरी व्यापारियों में आक्रोश

सीसीटीवी कैमरे में दिखे तीन चोर

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा के नगर पंचायत परिसर में संचालित एक परचून दुकान से चोरी हो गई। दुकान की छत का पत्थर उखाड़कर चोर हजारों का सामान चोरी कर ले गए। चोरी की इस घटना से व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं, कस्बा में हुई आधा दर्जन चोरियों का खुलासा नहीं होने से पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। थाना क्षेत्र के गांव फतिहा निवासी भूदेव बघेल नगर पंचायत कार्यालय परिसर में बनी दुकानों में परचून की दुकान संचालित करते हैं। वह रविवार रात को दुकान बंद कर गांव चले गए। सोमवार सुबह वह दुकान पर गए, ताला खोला तो अंदर सामान अस्त-व्यस्त दिखा। उन्होंने अंदर जाकर देखा तो छत का एक पत्थर उखड़ा हुआ मिला। चोर उनकी दुकान से हजारों रुपये का गुटखा, सिगरेट, मेवा आदि सामान चुरा ले गए। पीड़ित ने बताया कि चोर छत का पत्थर उखाड़कर दुकान में नीचे उतरे, सामान को खंगाला। कुछ खाली कार्टून दुकान की छत पर मिले हैं। दुकानदार ने चोरी की जानकारी थाना में दी तो मौके पर पहुंच कर स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने दुकान का निरीक्षण किया और जानकारी जुटाई। थानाध्यक्ष त्रिलोकी सिंह का कहना है कि वारदात के खुलासे को सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने वारदात के बाद दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया तो एक कैमरे में तीन चोर दिखाई दिए। पुलिस अब कैमरे में दर्ज तीन चोरों की पहचान करने में जुटी है। वैसे, इस दुकान के सामने से रात को कई बार पुलिस के वाहनों का आना-जाना भी होता रहता है। वहीं, कस्बे में अब तक आधा दर्जन अन्य चोरियों का खुलासा नहीं होने से व्यापारियों में आक्रोश है। व्यापारियों ने पुलिस से चोरों को पकड़कर चोरियों का खुलासा करने की मांग की है।

प्रॉपर्टी डीलर ने जताई अपनी हत्या की आशंका

पिता पर हुआ है जानलेवा हमला

कार्यालय प्रतिनिधि

पुष्पेंद्र चौधरी तहरीर दिखाते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। लाजपत नगर निवासी पुष्पेन्द्र चौधरी ने थाना हाईवे में तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि उसके पड़ोसी दानवीर ने साजिश रचकर उसके पिता की हत्या का प्रयास कराया। पीड़ित ने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व उसका प्रशान्त ठाकुर उर्फ पम्मो निवासी ललिता नगर से विवाद हुआ था। इसके बाद से प्रशान्त कई बार उसकी रैकी कर साजिश रचता रहा और सात माह पहले उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी जिसकी रिकॉर्डिंग भी उसके पास मौजूद है। पुष्पेन्द्र का कहना है कि 9 अगस्त की शाम दानवीर उसके पिता देवेंद्र सिंह को टहलाने के बहाने दिल्ली-आगरा हाईवे सर्विस रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के पास ले गया, जहां पहले से ही प्रशान्त ठाकुर अपने साथियों अभय, वीर, हेमेन्द्र सिंह और दो अन्य के साथ काली स्कॉर्पियो (नंबर यूपी 85 बीवी-9493) में मौजूद था। आरोप है कि दानवीर के इशारे पर अभय ने स्कॉर्पियो चढ़ाकर देवेंद्र सिंह को घायल कर दिया। घटना के चश्मदीद दिनेश कुमार व गौरव ने गाड़ी रोकने का प्रयास किया लेकिन आरोपी भाग निकले। जाते समय उन्होंने धमकी दी कि अवसर मिलने पर पुष्पेन्द्र को भी मार देंगे। गंभीर रूप से घायल देवेंद्र सिंह को सर्वोदय अस्पताल, फरीदाबाद में भर्ती कराया गया, जहां उनके सिर का ऑपरेशन हुआ है। पीड़ित का कहना है कि पिता के इलाज के कारण वह तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं करा सका। अब उसने प्रशान्त ठाकुर, दानवीर, अभय, वीर व अन्य दो अज्ञात आरोपियों पर जानलेवा हमला और साजिश रचने का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसका यह भी कहना है कि उनकी लगातार रैकी की जा रही है और उन्हें अपनी जान का खतरा बना हुआ है। सुरक्षा की मांग करते हुए प्रशासन से आरोपियों पर जल्द कार्यवाही की मांग की।

मीरा नगर कॉलोनी में प्लॉट को लेकर हुआ बड़ा बवाल

दो पक्ष एक-दूसरे से भिड़े, गोलियां चली, मारपीट हुई

पुलिस ने दोनों पक्षों के आठ लोगों को किया गिरफ्तार

रायफल, देशी तमंचे, कारतूस, लाठी व लोहे की सरिया की बरामद

कार्यालय संवाददाता

पुलिस की गिरफ्त में मीरा नगर कॉलोनी में प्लॉट को लेकर बवाल मचाने वाले आठ लोग।

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी पुलिस ने मीरा नगर कॉलोनी में जमीनी विवाद को लेकर एक-दूसरे पक्ष पर फायरिंग एवं जानलेवा हमला करने वाले दोनों पक्षों के आठ लोगों को मौके से गिरफ्तार कर दो रायफल, देशी तमंचे कारतूसों के अलावा डंडे आदि बरामद किए हैं। थाना प्रभारी रिफाइनरी अजय वर्मा को सूचना मिली कि मीरा नगर कॉलोनी में एक खाली प्लॉट को लेकर झगड़ा हो रहा है। झगड़े में फायरिंग हो रही है। इस जानकारी पर थाना प्रभारी ने उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह, उप निरीक्षक जगदीश सिंह, महिला उप निरीक्षक मोना लीसा और पुलिस फोर्स को लेकर मीरा नगर कॉलोनी पहुंच गए। मौके पर पहुंचकर देखा दोनों पक्ष एक दूसरे से झगड़ रहे थे। फायरिंग हो रही थी। पुलिस ने किसी तरह वहां से एक पक्ष के मीरा नगर कॉलोनी निवासी सिद्धान्त सिंह पुत्र सेनापति, सेनापति पुत्र विजय सिंह, हर्ष राठौर पुत्र अनुज सिंह निवासी बुद्ध विहार कॉलोनी थाना हाईवे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने झगड़ रहे दूसरे पक्ष के मीरा नगर कॉलोनी निवासी चन्द्रशेखर पुत्र दयाशंकर, जितेन्द्र निषाद पुत्र दयाशंकर, पुष्पेन्द्र निषाद पुत्र दयाशंकर, सूरज निषाद पुत्र रामकुमार, चन्दवीर निषाद पुत्र रामकुमार को अवैध तमंचा, राइफल, लाठी-डंडे व लोहे की सरिया सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार झगड़े के कारण मीरा नगर कॉलोनी में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। दोनों ही पक्ष प्लॉट पर अपना कब्जा करना चाह रहे थे। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है।

बस में चढ़ते युवक का पैर फिसला

टायर के नीचे आकर हुई दर्दनाक मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन के जमुना बता चौराहे से आगे बगीची के सामने चलती बस में चढ़ने के प्रयास में पैर फिसलने से एक श्रद्धालु बस के टायर के नीचे आकर बुरी तरह कुचल गया जिससे उसकी मौत हो गई।

गोगामेड़ी गोरखनाथ मंदिर राजस्थान से गोवर्धन गिरिराज जी महाराज की परिक्रमा करने के लिए बस से काफी श्रद्धालु आज गोवर्धन आए थे। उनमें भूरे (35)पुत्र शिशुपाल निवासी नगला दौलत थाना बरनाल तहसील करहल जनपद मैनपुरी भी था। परिक्रमा करने के बाद सभी लोग बस में सवार हो गए। चलती बस में भूरा ने चढ़ने का प्रयास किया। बस में चढ़ते समय उसका पैर फिसल गया और वह गिर कर बस के टायर के नीचे आ गया। चालक ने बस को रोक दिया। सभी लोग उसकी मौत से बेहद दुखी थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक अनुमति पर चल रहा पूरे महीने खनन का खेल

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। 15 दिन में एक बार खनन की अनुमति के प्रपत्र की आड़ में पूरे महीने मिट्टी खनन का खेल चल रहा है। ट्रैक्टर पर अनुमति का कागज चिपका कर सुबह से ही ट्रैक्टर परखम पुलिस चौकी क्षेत्र के कई गांवों में दौड़ते नजर आते हैं। परखम, धाना खेंमा और करनपुर चौराहे के आसपास से ट्रॉलियों में मिट्टी भरकर ट्रैक्टर हर सुबह कस्बा और आसपास के क्षेत्र में मिट्टी डालने में जुड़ जाते हैं। शासन ने प्रावधान बनाया है कि एक ट्रॉली मिट्टी के लिए एक किसान अनुमति ले सकता है।

इसके लिए जन सेवा केंद्र से ढाई सौ रुपये की फीस जमाकर आवेदन किया जाता है। आवेदन के बाद 15 दिन में एक ट्रॉली खनन की अनुमति मिल जाती है। शासन की इस अनुमति का मिट्टी खनन माफिया जमकर फायदा उठा रहे हैं। ट्रैक्टर पर अनुमति का पत्र

गांव धाना खेंमा से मिट्टी खनन कर ले जाता ट्रैक्टर।

चिपकाकर माफिया के दर्जनों ट्रैक्टर पूरे महीने मिट्टी खनन का काम करते हैं। अवैध मिट्टी खनन का यह काम पर परखम, मुस्तफाबाद के अलावा धाना खेंमा और करनपुर, मखदूम आदि गांव में चलता है।

दिखावे के लिए ट्रैक्टर पर फावड़े रख दिए जाते हैं, जिससे कोई टोके तो अनुमति और फावड़े से मिट्टी खोदना दर्शाया जा सके। परखम चौकी क्षेत्र में चल रहे मिट्टी के अवैध खनन में करीब तीन दर्जन वाहन जुटे हुए हैं। ट्रैक्टर ट्रॉलियों से यह मिट्टी भरकर कस्बा और आसपास के क्षेत्र में निर्माणाधीन प्लॉटों में डाली जाती है। एक ट्रॉली के एवज में खनन माफिया 600 से आठ सौ

परखम चौकी क्षेत्र में हर दिन करीब 40 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से हो रहा मिट्टी खनन

सुबह से ही परखम, धाना खेंमा और करनपुर चौराहा पर दौड़ते हैं वाहन

रुपये वसूलता है। 15 दिन में एक बार मिट्टी खनन करने की अनुमति के नियम की आड़ में माफिया एक ट्रैक्टर ट्रॉली से 30 दिन खनन का काम करता है। थाना क्षेत्र के एक दर्जन गांवों में मिट्टी खनन का काम पुलिस से सेटिंग करके हो रहा है।

माफिया सुबह-सुबह ही मिट्टी खनन में वाहनों को जुटा देता है। पुलिस को साधकर हर महीने करीब 1000 ट्रॉली से ज्यादा मिट्टी का खनन किया जाता है।

राया में 20 को लगेगा रक्तदान शिविर

यूनिक समय, राया (मथुरा)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्वावधान में अखंड भारत संकल्प दिवस पर रक्तदाता फाउंडेशन के सहयोग से 20 अगस्त को रेतिया बाजार स्थित श्यामलाल मदनलाल अग्रवाल धर्मशाला में रक्तदान शिविर लगेगा। यह जानकारी संस्था के संचालक अमित गोयल ने दी।

श्री अक्रूर रथयात्रा महोत्सव 20 तथा 21 सितंबर को

यूनिक समय, मथुरा। श्री अक्रूर रथ महोत्सव ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री अक्रूर रथयात्रा महोत्सव 20 तथा 21 सितंबर को मनाया जायेगा। ट्रस्ट के संस्थापक अमित वार्ष्णेय ने बताया कि 20 सितंबर को प्रातः 8 बजे वृंदावन स्थित अक्रूर मंदिर पर हवनयज्ञ अभिषेक का आयोजन किया जायेगा। दोपहर दो बजे अप्सरा पैलेस से श्री अक्रूर जी महाराज की रथयात्रा 12 राजकुमार, दर्जनों झांकियों, बैंडबाजों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से नगर भ्रमण करेगी। 21 सितंबर को डेम्पियर नगर पांचजन्य सभागार में समाज की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेधावी प्रतिभाशाली छात्र छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। संस्था के महामंत्री ऋषि गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता को लेकर पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गयी है।

बैठक में डॉ. पुनीत वार्ष्णेय जगदीश गुप्ता, किशोर बाबू गुप्ता, कपिलेश मोहन वार्ष्णेय, हिमांशु वार्ष्णेय, डॉ. नवीन वार्ष्णेय, सुशील वार्ष्णेय, भगवान दास वार्ष्णेय, नरेंद्र गुप्ता, प्रमोद प्रेस, ललित गुप्ता, मीना गुप्ता, मनोज वार्ष्णेय, शिवांगी वार्ष्णेय, प्रशांत वार्ष्णेय एवं विष्णु आदि मौजूद थे।

तिरंगा तुझको मेरा प्रणाम गीत पर मंचन

बीएसए कॉलेज में प्रस्तुति देती छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के प्रशिक्षु बालक-बालिकाओं ने बीएसए कॉलेज के श्यामाचरण सभागार में प्रस्तुतियां दीं। विशेष कार्यक्रम में अकादमी के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना के निर्देशन में लगभग तीन दर्जन बच्चों ने "भ्रमर गीत" का मंचन किया। यह प्रस्तुति आगामी जन्माष्टमी में भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। इसके साथ ही बच्चों ने साहित्यकार अनीता चौधरी की रचित चर्चित गीत "तिरंगा तुझको मेरा प्रणाम" को नृत्य और सामूहिक गायन के साथ प्रस्तुत कर देशभक्ति की अलख जगाई। ये कार्यक्रम तैयार कराने में कॉर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार को सहयोग रहा। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बच्चों की देशभक्ति की प्रस्तुति की सराहना की। इस अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ अधिकारी तथा प्राचार्य ललित मोहन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन जिला प्रशासन की ओर से जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे ने किया।

पार्षदों ने नगर आयुक्त का किया अभिनंदन

नगर आयुक्त जगप्रवेश का अभिनंदन करते पार्षद राजीव कुमार सिंह एवं अन्य पार्षद।

कार्यालय प्रतिनिधि

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन नगर निगम द्वारा उत्कृष्ट सफाई एवं व्यवस्थाओं को सफलता पूर्वक करने के लिए नगर निगम के आयुक्त जग प्रवेश को गुलदस्ता देकर सभी पार्षदों ने बधाई प्रेषित करते हुए मिठाई खिलाई। सभी कर्मचारियों को भी मिष्ठान वितरण किया। इस अवसर पर पार्षद पति तिलकवीर चौधरी, पार्षद हनुमान पहलवान, राजीव कुमार सिंह, मुन्ना मलिक, कुलदीप पाठक, हेमंत गोयल खंडौली, राजेश भाटिया तथा दिनेश शामिल हुए। 19 अगस्त को बीएसए कॉलेज में सभी सफाई कर्मचारी/अधिकारी, महापौर, पार्षदों के साथ सह भोज का आयोजन किया जा रहा है।

रोजगार साक्षात्कार जागरूकता कार्यक्रम

किशोरी रमण गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के शुभारंभ पर प्राचार्या प्रो. लकी गुप्ता समेत अन्य अतिथि एवं शिक्षिकाएं।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण गर्ल्स डिग्री कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग ने रोजगार साक्षात्कार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन संबद्ध ऐक्सिस बैंक द्वारा "यंग बैंकर्स प्रोग्राम एनआईआईटी एंड स्टार्ट योर करियर ऐज एन असिस्टेंट मैनेजर, एंटरप्रेन्योर" विषय पर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रो. लकी गुप्ता ने किया। समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो. कविता कन्नौजिया ने छात्राओं को रोजगार के बारे में जागरूक किया। कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल विकसित करना भी आवश्यक है। असिस्टेंट प्रो. डॉ. अनुपम मिश्रा ने कहा कि उद्यमिता के क्षेत्र में भी छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में श्रीमती आकांक्षा कुमारी, श्रीमती वंदना कुमारी, डॉ. मनीषा शर्मा आदि उपस्थित थीं।

स्वर्ण पदक से सम्मानित होगी राजीव एकेडमी की मेधावी सलोनी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट की मेधावी छात्रा सलोनी सिंह (बीसीए बैच 2022-25) ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उसने डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की बीसीए परीक्षा 2025 में 84.56 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम रैंक हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। सलोनी सिंह को इस शानदार उपलब्धि के लिए 20 अगस्त को विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल तथा कुलपति आशु रानी स्वर्ण पदक से सम्मानित करेंगी। यह पहला अवसर नहीं है जब राजीव एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक हासिल किए हों। इससे

सलोनी सिंह

पूर्व सत्र 2022 में सुरभि अग्रवाल और सत्र 2023 में तृप्ति कश्यप ने बीसीए परीक्षा में सर्वोच्च अंकों के साथ स्वर्ण पदक हासिल किए थे। अब सलोनी सिंह ने उस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए संस्थान को एक बार फिर से विश्वविद्यालय स्तर पर शीर्ष स्थान दिलाया है। मेधावी सलोनी की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आर.के. एज्युकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने

84.56 प्रतिशत अंकों के साथ बीसीए में किया विश्वविद्यालय टॉप

कहा कि यह उपलब्धि संस्थान की उच्च स्तरीय शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुभवी शिक्षकों और विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम का परिणाम है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि राजीव एकेडमी का उद्देश्य हमेशा से छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासन प्रदान करना रहा है।

सलोनी सिंह की सफलता इस बात का प्रमाण है कि संस्थान प्रतिभाओं को निखारने के लिए सर्वश्रेष्ठ वातावरण उपलब्ध कराता है।

उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने सलोनी को बधाई देते हुए कहा कि राजीव एकेडमी विद्यार्थियों को केवल अकादमिक शिक्षा ही नहीं बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह भदौरिया ने कहा कि सलोनी सिंह की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं है बल्कि यह पूरे संस्थान की शैक्षणिक श्रेष्ठता का प्रतीक है। सलोनी की यह सफलता अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा बनेगी। बीसीए विभागाध्यक्ष चन्द्रेश दुबे ने कहा कि सलोनी सिंह ने न केवल अपनी कड़ी मेहनत से शानदार सफलता अर्जित की है बल्कि अपने अनुशासन, नियमित अध्ययन और विषयों में गहरी समझ से भी सबको प्रभावित किया है। यह उपलब्धि बीसीए विभाग के लिए गर्व का विषय है और आने वाले विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

नाले में मिले अज्ञात युवक की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन के गुरुकृपा गार्डन के समीप नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ होने की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने नाले में पड़े शव को निकलवाया और उसकी शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त न होने के कारण उसे मोर्चरी भिजवा दिया। मोर्चरी पर शव की शिनाख्त उसके भाई बाबू व भरती ने चुन्ना पुत्र आजीशम निवासी कोहली पाड़ा कोरियान मौहल्ला कुम्हेर भरतपुर राजस्थान के रूप में की।

नई टेक्नोलॉजी से बदली किसानों की सोच

मंडी पहुँचने की जरूरत हुई कम

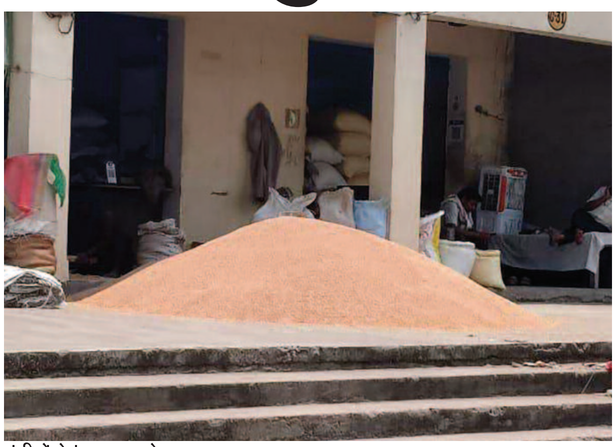
मंडी में गेहूं का लगा ढेर।

आढ़तिया शादिक

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अब खेती–किसानी का ढांचा तेजी से बदल रहा है। पहले जहां किसान अपनी उपज को लेकर सीधे मंडी तक पहुंचते थे, वहीं अब समय बदल चुका है। नई तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने किसानों को घर बैठे ही अपनी उपज के रेटों की जानकारी एवं अन्य बातें जानने की सुविधा दे दी है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही जानकारी और मोबाइल पर मिल रहे भावों ने किसानों के बीच जागरूकता का स्तर काफी बढ़ा दिया है। अब मंडी तक कम ही पहुँचते हैं। बताया जाता कि ज्यादातर किसान गेहूं को फसल के समय ही बेच देते हैं। पहले किसान अपनी फसल को मंडी तक पहुंचाने में काफी मेहनत और खर्च करते थे, लेकिन अब मंडी में जो भाव मिलते हैं, उसकी जानकारी उन्हें घर बैठे मोबाइल और इंटरनेट के जरिए मिल रही है। ऐसे में किसान सोचते हैं कि जब मंडी का भाव घर बैठे ही मिल रहा है तो इतनी मेहनत और खर्च क्यों किया जाए। यही कारण है कि गांवों में ही गेहूं की खरीद बिक्री का कारोबार तेजी से बढ़ा है। गेहूं का रेट और वर्तमान चलन फिलहाल जनपद के गांवों में गेहूं की कीमतें करीब 2500 से 2550 रुपये प्रति कुंतल चल रही हैं। यह भाव यूपी की क्वालिटी के हिसाब से तय माने जाते हैं। इस बीच एक नया चलन भी देखने को मिल रहा है कि बिना अधिक मेहनत के ही स्थानीय व्यापारी और आढ़तिये किसानों से सीधे गेहूं खरीद रहे हैं। इस कारण किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर–दूर तक भटकना नहीं पड़ रहा। आढ़तिया शादिक ने बताया कि इन दिनों बाजार में मध्यप्रदेश (एमपी) के गेहूं की भारी डिमांड है। एमपी का गेहूं स्थानीय स्तर पर भी लोग काफी पसंद कर रहे हैं। एमपी के गेहूं की बढ़ी मांग के कारण बाजार में एमपी के आशीर्वाद नामक गेहूं की कीमत करीब 2900 रुपये प्रति कुंतल है। इसके अलावा 'मोहन भोग' गेहूं 3400 रुपये प्रति कुंतल तक बिक रहा है। वहीं 'रूकमणि' गेहूं की कीमत 2900 से 3500 रुपये प्रति कुंतल तक पहुंच गई है। यह भाव यूपी की तुलना में काफी अधिक हैं और उपभोक्ता इन ब्रांडों को अधिक पसंद कर रहे हैं। एमपी के गेहूं की खासियत उसकी खेती की जमीन से जुड़ी है। वहां की काली मिट्टी गेहूं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाती है। यही कारण है कि एमपी का गेहूं आकार और स्वाद में अलग पहचान रखता है। इसके अलावा एमपी में छोटे–छोटे किसानों द्वारा सीमित भूमि पर की जाने वाली खेती में खाद और रसायनों का प्रयोग कम करते हैं, जिससे गेहूं का स्वाद और गुणवत्ता बनी रहती है।

श्रीकांत वर्मा भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर

जगदगुरु तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य महाराज को भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट करते शिवसेना (एनडीए गठबंधन) के मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक एवं चुनाव प्रभारी डॉ. अभिषेक वर्मा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। शिवसेना (एनडीए गठबंधन) के मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक एवं चुनाव प्रभारी डॉ. अभिषेक वर्मा ने जगदगुरु तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से आत्मीय भेंट की। उन्होंने स्वामी जी को अपने पिताश्री एवं साहित्यकार श्रीकांत वर्मा द्वारा लिखित उपन्यास 'मगध' स्मृति स्वरूप भेंट किया, साथ ही उन्होंने भगवान गणेश की प्रतिमा भी समर्पित की। स्वामी रामभद्राचार्य ने स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि वे श्रीकांत वर्मा को व्यक्तिगत रूप से जानते थे और उनकी कविताओं एवं साहित्यिक रचनाओं से भली–भांति परिचित हैं। उन्होंने श्रीकांत वर्मा को भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर बताया। पूज्य स्वामी जी ने डॉ. अभिषेक वर्मा को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उन्हें "सनातन धर्म का सच्चा योद्धा" कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजनीति से प्रेरित होकर डॉ अभिषेक वर्मा को बहुत प्रताड़ित किया गया लेकिन जो लोग धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कार्य करते हैं उनके मार्ग स्वयं भगवान प्रशस्त करते हैं। डॉ. अभिषेक वर्मा ने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि वे स्वामी रामभद्राचार्य को पितातुल्य मानते हैं और जीवनपर्यन्त उनकी शिक्षाओं एवं मार्गदर्शन में रहकर सनातन धर्म की सेवा करते रहेंगे।

गली में गेट लगाने को लेकर दो पक्षों में चले ईंट–पत्थर

कांच की बोतलें भी जमकर फेंकी गई

राहगीरों में मची भगदड़

चार लोग घायल, पुलिस ने आठ लोगों को पकड़ा

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां क्षेत्र में सोमवार को मीट वाली गली में उस समय भगदड़ मच गई जब आम रास्ते पर गेट लगाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी–डंडे चलने लगे और फिर ईंट–पत्थर व काँच की बोतलें भी फिकने लगीं। इलाके मे दहशत फैल गई। चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने झगड़ने वाले दोनो पक्षों के आठ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार मीट वाली गली में रहने वाले शाहिद का भाई जाहिद आम रास्ते में गेट लगा रहा था। इस पर वहीं रहने वाले महफूज पुत्र हाजी नजीर, राजू पुत्र महफूज, फैजान पुत्र महफूज, रिहान पुत्र इलियास, सारिक पुत्र इकबाल और आदिल पुत्र आबिद ने विरोध किया। इस पर दोनों पक्षों में झगड़ा होने लगा। देखते ही देखते दोनों ओर से ईंट पत्थर और कांच की बोतले फिकने लगीं। इससे इलाके में दहशत फैल गई और लोगों ने इधर–उधर भागकर अपनी जान बचाई। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में सड़क पर पत्थर ही पत्थर दिखाई दे रहे हैं जिससे आसपास के लोग पूरी तरह से भयभीत हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने बल प्रयोग कर दोनों पक्षों को अलग किया और आठ लोगों को हिरासत में लिया। चार घायलों को अस्पताल भेज दिया है।

मथुरा रिफाइनरी में गूंजा आजादी का जश्न

जोश और गर्व से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। रिफाइनरी नगर स्थित सहस्त्राब्दी स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि आज भारत हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है और हम सब विकसित भारत की दिशा में अग्रसर हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी संघ व एसोसिएशन प्रतिनिधि, सीआईएसएफ कमांडेंट, ग्राम प्रधान, पार्षद, स्कूलों के प्रधानाचार्य, छात्र और

आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे। सीआईएसएफ द्वारा किया गया रिफ्लेक्स डेमो और स्कूलों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह के आकर्षण रहे। इस दौरान दीर्घकालीन सेवा, सामूहिक उपलब्धियों और उत्कृष्ट सुरक्षा सेवा देने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शोभा विधायक श्री पुराण प्रकाश की उपस्थिति ने और भी बढ़ा दी।

तिरंगा फहराकर देश भक्ति का अनोखा उत्सव मनाया

आगरा के घटिया चौराहे से बेंगलुरु तक फैली परंपरा

यूनिक समय, आगरा। घटिया आजम खां चौराहा एक बार फिर देशभक्ति और सामाजिक सौहार्द का केंद्र बना जब 15 अगस्त 2025 की मध्यरात्रि को वहां ध्वजारोहण का अनोखा आयोजन हुआ। यातायात प्रबंधन समिति के तत्वावधान में हुए इस आयोजन में पूर्व पार्षद शिरोमणि सिंह और समाजसेवी अनिल शर्मा ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वजरोहण किया। यह परंपरा 2018 में प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ के ध्वजारोहण से शुरू हुई थी। कोरोना काल में सीमित रूप से आयोजित यह कार्यक्रम अब पूरे जोश और उल्लास से मनाया जा रहा है। तिरंगा फहराने के बाद क्षेत्रीय लोगों की देशभक्ति गीतों, कविताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बना दिया।

घटिया क्षेत्र स्वतंत्रता संग्राम

और राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान देने वाली शख्सियतों का गढ़ रहा है। अब यह आयोजन पुलिस और आमजन के बीच सौहार्द बढ़ाने का प्रतीक बन चुका है। खास बात यह कि इस परंपरा की प्रेरणा अब बेंगलुरु तक पहुंच चुकी है, जहां एक स्कूल परिसर में इसी तरह का आयोजन शुरू हुआ है।

संत प्रेमानंद महाराज ने कराई ब्रजवासी ब्राह्मणों को प्रसादी

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन/ वृन्दावन। ब्रज की आराध्य राधा रानी के विशेष कृपा पात्र संत प्रेमानंद महाराज ने सोमवार को वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम में सभी ब्रजवासी, ब्राह्मण, ग्वाल और गोपियों की भोजन प्रसादी कराई। सुबह 10:00 बजे से गोवर्धन के होटल गोविंद रेजिडेंसी पर बसों का जमावड़ा लग गया। लगभग 21 बसों से गोवर्धन के सभी ब्राह्मण समाज के लोगों को सपत्नीक जोड़े सहित भोजन के लिए श्री हित राधा केली कुंज वृंदावन ले जाया गया, जहां संत प्रेमानंद महाराज के शिष्यों ने पहले सभी

केली कुंज आश्रम में प्रसादी पाते ब्रजवासी ब्राह्मण।

बृजवासी ब्राह्मणों के पैर धुलवा कर और पुष्प बरसा कर उनका स्वागत किया।

इसके बाद सभी बृजवासी जनों की भोजन प्रसादी कराई। भोजन प्रसादी के उपरांत सभी ब्रजवासी भक्त प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए लालायित हो उठे। लेकिन स्वास्थ्य संबंधी कारणों से महाराज के दर्शन

गोवर्धन के ब्राह्मण गोपी ग्वालों को जोड़े से कराया भोजन

नहीं हो पाए। गोवर्धन से आए ब्रजवासी भक्तों ने बताया कि राधा रानी की असीम अनुकंपा महाराज के ऊपर है जिसकी वजह से वह धर्म संस्कृति और सनातन का प्रचार प्रसार कर रहे हैं और साथ ही साथ ब्रजवासी जनों की सेवा के लिए भी तत्पर रहते हैं। समय–समय पर ब्रजवासियों की सेवा का यह भाव और उनकी विनम्रता ही उनको महान संतों की श्रेणी में खड़ा करते हैं।

जीएलए में ऑरिएंटेशन के साथ 28वां शैक्षणिक सत्र शुरू

जीएलए में पहले दिन एक साथ ऑडिटोरियम में जुटे नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं

जीएलए विश्वविद्यालय में ऑरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीईओ नीरज अग्रवाल, सीएफओ विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा ने सोमवार का दिन एक महापर्व के रूप में मनाया। कारण था विश्वविद्यालय परिवार में नव प्रवेशित विद्यार्थी एक साथ एक ऑडिटोरियम में दीक्षारंभ 'ऑरिएंटेशन' कार्यक्रम के माध्यम से शामिल हुए। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की उपलब्धियां और आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा और रोजगार के बारे में जानकारी दी।

ऑरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीईओ नीरज अग्रवाल, सीएफओ विवेक अग्रवाल, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह, डीन एकेडमिक प्रो. आशीष शर्मा, सीओई प्रो. अतुल बंसल, आईटी डायरेक्टर प्रो. अशोक भंसाली ने दीप प्रज्जवलित कर किया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना आयोजित हुई।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन, शिक्षा और सकारात्मक सोच के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत विनम्रता के साथ करते हुए कहा कि "शायद मेरी बातों से आपको बोरियत लगे, लेकिन जीवन जीएलए में कभी भी बोरिंग नहीं होने वाला है। क्योंकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रटना नहीं है, बल्कि सोचने, प्रश्न पूछने और आलोचनात्मक चिंतन (क्रिटिकल थिंकिंग) की क्षमता का विकास करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि शिक्षा हमारे मन को जटिल और बोझिल बना दे, तो वह शुभ नहीं है। शिक्षा हमें युवा बनाए, आनंद और ज्ञान से भर दे।

उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मस्तिष्क के विकास की प्रक्रिया समझाते हुए बताया कि न्यूरोजेनेसिस, सिनैप्टोजेनेसिस और मायलिनेशन जैसे कारक हमारे मस्तिष्क को नई चुनौतियों से निपटने की क्षमता देते हैं। कठिन सवाल पूछना और समाधान तलाशना ही मस्तिष्क को सक्रिय बनाता है। कुलपति ने छात्रों को आह्वान किया कि वे बिना हिचक और संकोच सवाल पूछें, संदेह करें और अपनी सोच विकसित करें। दूसरों से ली हुई सोच से अधिक मूल्यवान अपनी मौलिक सोच होती है। शंका की पीड़ा ही विचारों के जन्म की जननी है।

चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर एवं मोटीवेशनल स्पीकर नीरज अग्रवाल ने विद्यार्थियों से जीवन, करियर और सफलता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए।

जीएलए विश्वविद्यालय में ऑरिएंटेशन कार्यक्रम में नवागंतुक विद्यार्थियों से रुबरु होते सीईओ नीरज अग्रवाल।

जीएलए विश्वविद्यालय में ऑरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान नवागंतुक विद्यार्थियों से रुबरु होते सीएफओ विवेक अग्रवाल एवं कुलपति डॉ. अनूप गुप्ता।

अपने अनोखे अंदाज में उन्होंने स्लाइड्स, प्रेरक शेरो-शायरी और कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल मार्गदर्शन दिया बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता की ओर प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता का पहला मंत्र है खुद से प्रेम करना, क्योंकि जब तक हम स्वयं से प्यार नहीं करेंगे तब तक अनुशासन, एकाग्रता और लक्ष्य निर्धारण जीवन में संभव नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास ही वह नींव है जिस पर भविष्य की इमारत खड़ी होती है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कई प्रेरक शेर सुनाए और कहा "हार हो जाती है जब मान लिया जाता है, जीत तब होती है जब ठान लिया जाता है" जिस पर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

उन्होंने गुब्बारे वाले बच्चे की कहानी सुनाकर समझाया कि जैसे गुब्बारे रंग या आकार से नहीं बल्कि उनके भीतर की हवा से उड़ते हैं, उसी तरह इंसान की ऊंचाइयां उसकी जाति या पृष्ठभूमि से नहीं बल्कि उसके भीतर के जुनून और आत्मविश्वास से तय होती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि हर इंसान में आगे बढ़ने की अपार क्षमता है, बस जरूरत है खुद पर विश्वास रखने की।

सीएफओ विवेक अग्रवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी जीवन में ये जो आने वाले साल हैं ये सिर्फ एक डिग्री पाने के लिए नहीं, बल्कि अपने आपको निखारने के साल हैं। यहां जो आप सीखेंगे, वही आपकी सोच बनाएगा, आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा और आपको इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में टिके रहने लायक बनाएगा। आपने इस संस्थान को चुना और मैं विश्वास से कह सकता हूँ, यह आपका सबसे सटीक फैसला है। क्योंकि जीएलए विश्वविद्यालय सिर्फ ज्ञान नहीं देता, यहां शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थी को संस्कार, दृष्टिकोण और बेहतर अवसर मिलते हैं।

कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि नवप्रवेषित विद्यार्थी अब परम्परागत पाठ्यक्रम के बाद तकनीकी एवं व्यवसायिक पाठयक्रम से जुड़े हैं, जहां से विद्यार्थी जीवन को नई दिशा देखने को मिलेगी। कुलसचिव ने विद्यार्थियों को ऑरिएंटेशन के माध्यम से विश्वविद्यालय के 27 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने बताया कि कुलाधिपति नारायणदास दास अग्रवाल ने अपने वर्ष 1998 में जीएलए इन्स्टीट्यूट की स्थापना की। कुलाधिपति का एक सपना था कि देश में उच्चकोटि का विश्वविद्यालय बने और सभी छात्र-छात्राओं को अपना सपना एवं लक्ष्य पूरा करने में कोई कठिनाई न हो और उनका सपना साकार हुआ जो अब एक विशाल विश्वविद्यालय बन चुका है।

कुलसचिव ने अंत में कहा कि छात्र जीवन में सफल होने के लिए कुछ बातें बहुत जरूरी हैं। यदि विद्यार्थी अमल करेगें, तो सफलता आपके कदम चूमेगी। सबसे पहले गोल सेट करना- इसी से विद्यार्थी जीवन की आगे की कहानी लिखी जायेगी। रूचियों के अनुसार अपना लक्ष्य एवं उद्देश्य स्वयं तय करें, बहुत ही सोच विचार के लक्ष्य निर्धारण के लिए फैसला लेना चाहिए। क्योंकि हर छात्र में कोई न कोई प्रतिभा होती है अर्थात् अपनी प्रतिभा को पहचान कर लक्ष्य को तय करें।

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्नातक स्तर पर- बी.टेक, बी.फॉर्मा, बीएससी, बायोटेक, बीए, बीकॉम, बीए और बीकॉम एलएलबी ऑनर्स, डिप्लोमा इन फॉर्मेसी, स्नातकोत्तर स्तर पर एमटेक, एमबीए, एम.फॉर्मा (फार्मोकोलॉजी एण्ड फार्मास्यूटिक्स) सहित आदि कोर्सों के नव-प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने ऑरिएंटेशन में शिरकत की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक प्रो. आशीष शर्मा, आईटी निदेशक प्रो. अशोक भंसाली, मुख्य परीक्षा नियंत्रक प्रो. अतुल बंसल, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. हिमांशु शर्मा, प्रबंधन संकाय निदेशक प्रो. अनुराग सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनय देवलिया ने भी विश्वविद्यालय के शिक्षण सत्र के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डा. विवेक मेहरोत्रा ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दीपक गौड़ सहित विभिन्न पदाधिकारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

सुविचार

संस्कारों से सीचा गया परिवार, पीढ़ियों तक खुशहाल रहता है।

कल का पंचांग

तिथि एकादशी	05:22-03:32 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र आद्रा	02:06-01:07 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय	6:08 AM	चन्द्रोदय	01:46 AM
सूर्यास्त	6:52 PM	चंद्रास्त	07:07 PM
सूर्य राशि	सिंह राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त	12:06AM-12:57 PM	ब्रह्म मुहूर्त	04:27-05:15
त्योहार/व्रत	अजा एकादशी	विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	03:31PM–05:16PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

7 सितंबर से शुरू हो रहा पितृपक्ष

आत्मा की शांति के लिए किया जाता है पिंडदान और श्राद्ध

पितृपक्ष में श्राद्ध की तिथियां

07 सितंबर, रविवारः पूर्णिमा श्राद्ध
08 सितंबर, सोमवारः प्रतिपदा श्राद्ध
09 सितंबर, मंगलवारः द्वितीया श्राद्ध
10 सितंबर, बुधवारः तृतीया श्राद्ध
10 सितंबर, बुधवारः चतुर्थी श्राद्ध
11 सितंबर, गुरुवारः पंचमी श्राद्ध
12 सितंबर, शुक्रवारः षष्ठी श्राद्ध
13 सितंबर, शनिवारः सप्तमी श्राद्ध
14 सितंबर, रविवारः अष्टमी श्राद्ध
15 सितंबर, सोमवारः नवमी श्राद्ध
16 सितंबर, मंगलवारः दशमी श्राद्ध
17 सितंबर, बुधवारः एकादशी श्राद्ध
18 सितंबर, गुरुवारः द्वादशी श्राद्ध
19 सितंबर, शुक्रवारः त्रयोदशी श्राद्ध
20 सितंबर, शनिवारः चतुर्दशी श्राद्ध
21 सितंबर, रविवारः अमावस्या श्राद्ध (सर्व पितृ अमावस्या)

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व माना गया है। हर वर्ष भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि से शुरू होकर आश्विन मास की अमावस्या तक चलने वाला यह काल पितरों के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए निर्धारित होता है। मान्यता है कि इस समय किए गए कर्म पितरों को तृप्त करते हैं और वे वंशजों को आयु, आरोग्य, धन और संतति का आशीर्वाद देते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

साल 2025 का पितृपक्ष खास इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इसकी शुरुआत 7 सितंबर से हो रही है और उसी दिन साल का दूसरा पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा और इसका सूतक काल भी मान्य होगा। वैदिक ज्योतिष में ग्रहण को अशुभ घटना माना जाता है, लेकिन पितृपक्ष की शुरुआत के साथ ग्रहण का संयोग

पहले दिन ही चंद्र ग्रहण

विशेष महत्व रखता है।

पंचांग के अनुसार, इस बार पितृपक्ष 7 सितंबर रविवार से शुरू होकर 21 सितंबर रविवार को सर्वपितृ अमावस्या पर समाप्त होगा। इस दौरान अलग–अलग तिथियों पर श्राद्ध किए जाएंगे। प्रमुख तिथियों में 7 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध, 8 सितंबर को प्रतिपदा, 11 सितंबर को भरणी व पंचमी, 15 सितंबर को नवमी, 17 सितंबर को एकादशी, 19 सितंबर को त्रयोदशी और 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या शामिल हैं।

ज्योतिषीय दृष्टि से 7 सितंबर को लगने वाला पूर्ण चंद्र ग्रहण कन्या राशि में होगा। यह ग्रहण रात 9 बजकर 58 मिनट से शुरू होकर 1 बजकर 26 मिनट तक चलेगा। इसकी कुल अवधि

3 घंटे 28 मिनट और 2 सेकेंड की होगी। ग्रहण के समय चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की छाया में रहेगा। कन्या राशि पर इसका प्रभाव विशेष रूप से मानसिकता, स्वास्थ्य और कार्यक्षमता पर पड़ेगा।

ग्रहण के कारण पारिवारिक तनाव और निर्णय लेने की क्षमता पर असर देखने को मिल सकता है।

धार्मिक मान्यता है कि पितृपक्ष में श्रद्धा से किया गया श्राद्ध पितरों को प्रसन्न करता है। उनकी कृपा से परिवार में सुख–शांति और समृद्धि आती है तथा पितृ दोष के कारण जीवन में आ रही बाधाएं भी दूर होती हैं। पितृपक्ष का समापन 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या के दिन होगा, जब सभी पितरों के लिए सामूहिक श्राद्ध किया जाता है। दिलचस्प तथ्य यह है कि इस बार चंद्र ग्रहण के कुछ ही दिनों बाद 21 सितंबर को आंशिक सूर्य ग्रहण भी लगेगा। इस कारण खगोल और धार्मिक दृष्टि से पितृपक्ष 2025 और भी विशेष माना जा रहा है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 7.45 से दोपहर 11.55 बजे तक और शाम 5.30 से रात 9.25 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

इन 3 मूलांक वाली महिलाओं का दिमाग चलता है रॉकेट की रफ्तार से

यूनिक समय, मथुरा। अंक ज्योतिष के अनुसार, किसी भी व्यक्ति का स्वभाव और सोचने का तरीका उसके मूलांक से जुड़ा होता है। खासतौर पर महिलाओं के व्यक्तित्व को समझने में मूलांक अहम भूमिका निभाता है। कई महिलाएं बाहर से शांत दिखाई देती हैं, लेकिन भीतर उनका दिमाग हर समय दौड़ता रहता है। भोपाल के ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बताते हैं कि मूलांक 3, 5 और 7 वाली महिलाएं इसी श्रेणी में आती हैं।

मूलांक 3 : ओवरथिंकिंग और स्पष्टता की चाह

3, 12, 21 या 30 तारीख को जन्मी महिलाओं का मूलांक 3 होता है। ये बेहद बुद्धिमान, तर्कशील और हर बात को गहराई से समझने वाली होती हैं। इनकी सोच लगातार चलती रहती है और ये छोटी से छोटी बात को भी बड़ा मुद्दा बना देती हैं। इनका दिमाग कभी रुकता नहीं और हर चीज में स्पष्टता चाहती हैं।

मूलांक 5 : तेज सोच और तर्कपूर्ण बातें

जिन महिलाओं का जन्म 5, 14 या 23 तारीख को होता है, उनका

मूलांक 5 होता है। इनका दिमाग बेहद तेजी से काम करता है और ये हर परिस्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देती हैं। बातचीत में माहिर होती हैं, लेकिन कई बार एक ही मुद्दे पर बार–बार चर्चा करती हैं, ताकि सामने वाला उनकी बात मान ले।

मूलांक 7 : गहरी सोच और शक की आदत

7, 16 या 25 तारीख को जन्मीं महिलाओं का मूलांक 7 होता है। बाहर से ये बेहद शांत नजर आती हैं, लेकिन भीतर विचारों का तूफान चलता रहता है। गहराई से सोचने की आदत इन्हें कई बार उलझा देती है। शक की प्रवृत्ति के कारण ये छोटी–सी बात को भी बड़ा बना देती हैं।

ब्रज भ्रमण-36

ब्रज की यात्रा करें यूनिक समय के साथ

जब ठाकुर बने गवाह : साक्षी गोपाल मंदिर की अद्भुत कथा

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन की पावन धरा पर विराजमान ठाकुर जी की अनोखी कथा आज भी लोगों को रोमांचित कर देती है। यह सिर्फ आस्था की नहीं, बल्कि विश्वास की ऐसी कहानी है जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्त के लिए गवाह बनकर चलते हैं। आज जिस स्थान को लोग साक्षी गोपाल के नाम से जानते हैं, वह कभी भव्य मंदिर था। लेकिन वक्त की मार से वह मंदिर ढह गया और अब वहां बस ठाकुर जी की चरण पादुका ही रह गई है। बावजूद इसके मिट्टी आज भी श्रद्धालुओं को बुलाती है– "आओ, उस पावन धरा को माथे से लगाओ।"

सन 1999 के आसपास यह मंदिर ढह गया। समय के साथ दीवारें दरकती चली गईं और खंडहर भी उखड़ गया। लेकिन मिट्टी आज भी उस दिव्य उपस्थिति की साक्षी है, जो कभी यहां विराजमान थीं। गोविंद देव मंदिर के पास स्थित इस स्थान पर अब ठाकुर की चरण पादुका श्रद्धालुओं को दर्शन देती है।

साक्षी गोपाल नामकरण के पीछे एक अद्भुत कथा है। कहा जाता है कि विद्यानगर से दो ब्राह्मण यात्रा करते हुए वृंदावन आए। गोविंद देव जी के दर्शन के बाद वे यहां ठहरे, जहां उस समय गोपाल जी का सुंदर विग्रह स्थापित था। उनमें से एक वृद्ध ब्राह्मण कुलीन परिवार का था और दूसरा साधारण कुल का युवक। युवक की सेवा से प्रसन्न होकर वृद्ध ने अपनी कन्या का विवाह उसी से करने का निश्चय किया। युवक ने संकोच जताया कि वह योग्य पात्र नहीं है। वृद्ध के आग्रह पर युवक ने कहा कि यदि आप ठाकुर गोपाल को साक्षी बनाकर वचन देंगे तो ही वह स्वीकार करेगा। वृद्ध ने ठाकुर जी के सामने यह वचन दोहराया।

विद्यानगर लौटने पर जब विवाह की बात उठी तो परिवार ने साधारण कुल के युवक से बेटी का विवाह करने से इंकार कर दिया। विवाद बढ़ा तो पंचायत बुलाई गई। पंचायत ने युवक से कहा–"अपने गवाह को लेकर आओ।" युवक वृंदावन आया और ठाकुर गोपाल से प्रार्थना की। भक्त की पुकार सुनकर ठाकुर बोले–"तू अपने देश में पंचायत बुला, मैं स्वयं साक्षी बनकर आऊंगा। लेकिन ध्यान रहे, पीछे मुड़कर मत देखना, वरना मैं वहीं स्थिर हो जाऊंगा।" ठाकुर जी उसी विग्रह रूप में युवक के पीछे–पीछे चल पड़े। लेकिन विद्यानगर के निकट युवक से भूल हो गई और उसने पीछे मुड़कर देख लिया। ठाकुर वहीं स्थिर हो गए। लोगों ने जब देखा कि मूर्ति चलकर आई है, तो वे पूजा–अर्चना के लिए दौड़ पड़े। इसके बाद पंचायत में ठाकुर ने गवाही दी और युवक का विवाह सम्पन्न हुआ। तब से ठाकुर "साक्षी गोपाल" कहलाए। विद्यानगर के राजा ने उनके लिए भव्य मंदिर बनवाया। समय बीता और उड़ीसा के राजा पुरुषोत्तम ने विद्यानगर पर आक्रमण कर विजय प्राप्त की। उनके पुत्र प्रतापरुद्र, जो साक्षी गोपाल के परम भक्त थे, ने ठाकुर से अपने राज्य में पधारने की प्रार्थना की। ठाकुर ने स्वीकृति दी और उन्हें उड़ीसा लाया गया। तब से साक्षी गोपाल कटक (ओडिशा) में सेवित हो रहे हैं।

भले ही वृंदावन का पुराना मंदिर ढह गया हो, लेकिन वहां की पावन धरा और चरण पादुका आज भी आस्था का प्रतीक है। श्रद्धालु मानते हैं कि यहां आकर ठाकुर जी के साक्षात्कार का अनुभव होता है। साक्षी गोपाल की यह कथा सिर्फ इतिहास नहीं, बल्कि भक्ति और विश्वास की जिंदा गवाही है।

सम्पादकीय

भारत-चीन रिश्तों में सुधार की दिशा में अहम यात्रा

चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित चीन यात्रा की भी संभावना है। इस पृष्ठभूमि में वांग यी का दौरा दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार की दिशा में अहम माना जा रहा है।

अपनी यात्रा के दौरान वांग यी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच सीमा विवाद पर 24वें दौर की स्पेशल रिप्रजेंटेटिव (एसआर) स्तर की बातचीत होगी। यह चर्चा लंबे समय से चल रहे सीमा तनाव को कम करने के प्रयास का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, वांग यी की भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात होगी, जिसमें द्विपक्षीय मुद्दों और सहयोग के नए आयामों पर विचार किया जाएगा।

पवन गौतम
संपादक

पिछले कुछ वर्षों से तनावपूर्ण संबंधों के बाद अब दोनों देश रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश में हैं। भारत द्वारा हाल ही में चीनी नागरिकों के लिए पर्यटन वीजा बहाल करने का फैसला इस दिशा में सकारात्मक संकेत है। यह कदम बताता है कि भारत रिश्तों को सामान्य करने की इच्छाशक्ति रखता है। दोनों देशों को एहसास है कि सीमा पर शांति बनाए रखना ही आर्थिक सहयोग को मजबूत कर सकता है। तेजी से बदलते वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में चीन के लिए भी भारत के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना आवश्यक हो गया है। भारत ने हमेशा स्पष्ट किया है कि वह किसी तीसरे देश के दबाव में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेता है। विदेश मंत्री जयशंकर कई बार कह चुके हैं कि भारत-चीन संबंधों को अमेरिका या किसी अन्य शक्ति की अपेक्षाओं के दायरे में नहीं देखा जाना चाहिए। भारत के लिए चिंता का विषय चीन-पाकिस्तान की बढ़ती सामरिक साझेदारी है। चीन ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देकर अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद का समर्थन किया है। हाल ही में पाकिस्तान द्वारा चीन निर्मित लड़ाकू विमान, एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइलों का भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया गया था। मई माह में भारत-पाक तनाव के बीच दोनों देशों की बढ़ती नजदीकी ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को और गहरा किया। भारत का दृष्टिकोण हमेशा सावधानीपूर्ण और व्यावहारिक रहा है। भारत जानता है कि आपसी विश्वास और आर्थिक सहयोग तभी संभव है जब सीमा विवाद पूरी तरह से सुलझ जाए। चीनी विदेश मंत्री की यह यात्रा रिश्तों में जमी बर्फ पिघलाने की दिशा में अहम मानी जा सकती है। हालांकि, भारत को पिछले अनुभवों से सीखते हुए फूंक-फूंक कर कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत-चीन रिश्ते एशिया और विश्व राजनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि सीमा विवाद पर ठोस प्रगति होती है तो दोनों देश न केवल द्विपक्षीय व्यापार में बल्कि बहुपक्षीय मंचों पर भी बेहतर सहयोग कर सकते हैं। वांग यी की यह यात्रा इस दिशा में एक अहम पहल है, लेकिन वास्तविक सफलता तभी मिलेगी जब चीन सीमा पर विश्वास बहाल करने की ठोस कोशिश करेगा।

नजरिया

पुतिन ने ट्रंप को सबक सिखाया अब समझौते के लिए मॉस्को की राह

संतोष कुमार पाठक

रूस और अमेरिका की बहुप्रतीक्षित शिखर वार्ता ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का में हुई बैठक से न तो युद्धविराम पर सहमति बनी और न ही कोई ठोस समझौता। तीन घंटे चली इस वार्ता ने जहां ट्रंप की आक्रामक कूटनीति को कमजोर किया, वहीं पुतिन ने अपने राजनीतिक चातुर्य से उन्हें कड़ी चुनौती दी।

अमेरिका के अलास्का राज्य के एंकोरेज में आयोजित यह बैठक वैश्विक स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही थी। उम्मीद थी कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यह वार्ता कोई नया रास्ता दिखाएगी। लेकिन तीन घंटे लंबी बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। यह बैठक शांति वार्ता से अधिक पुतिन की कूटनीतिक जीत के रूप में सामने आई।

बैठक से पहले ट्रंप बार-बार चेतावनी भरे बयान दे रहे थे। उनका प्रयास था कि धमकी की भाषा के जरिए रूस पर दबाव बनाया जाए। लेकिन बातचीत की मेज पर पुतिन ने साबित कर दिया कि धमकी से कोई देश झुकने वाला नहीं है। उन्होंने न केवल ट्रंप को बेनकाब किया बल्कि दुनिया को संदेश दिया कि रूस अपनी शर्तों पर ही बातचीत करेगा।

वार्ता के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी खास मायने रखती थी। सामान्यतः अमेरिकी प्रोटोकॉल के तहत विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की मौजूदगी में पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बोलते हैं, लेकिन इस बार शुरुआत पुतिन ने की। यह कदम अपने आप में ट्रंप के लिए एक बड़ा झटका था। प्रेस कॉन्फ्रेंस सिर्फ 12 मिनट चली। इसमें दोनों नेताओं ने केवल अपने-अपने बयान दिए और पत्रकारों के सवालों से बचते रहे। इसी दौरान पुतिन ने अंग्रेज़ी में पहली बार बोलते हुए ट्रंप को एक अहम संदेश दिया-"नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को।" इसका अर्थ साफ था कि अब किसी भी बड़े समझौते के लिए ट्रंप को रूस की धरती पर जाना होगा।

बैठक का पैटर्न भी अंतिम क्षणों में बदला गया। पहले यह तय था कि दोनों नेताओं की बैठक वन-ऑन-वन होगी। लेकिन अचानक इसे बदलकर थ्री-ऑन-थ्री कर दिया गया। अमेरिकी पक्ष से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ शामिल हुए, जबकि रूस की तरफ से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और सलाहकार यूरी उशाकोव मौजूद रहे। यह बदलाव दर्शाता है कि रूस ने अपनी शर्तों के अनुरूप माहौल तैयार किया और अमेरिका को मजबूर होकर उसमें शामिल होना पड़ा।

इस वार्ता का मुख्य मुद्दा रूस-यूक्रेन युद्ध था, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से न तो यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और न ही कोई प्रतिनिधि इसमें मौजूद था। इससे यह संदेश गया कि अमेरिका और रूस युद्ध पर बातचीत कर सकते हैं, लेकिन असली पीड़ित पक्ष को दरकिनार किया जा सकता है। पुतिन के लिए यह कूटनीतिक जीत थी, क्योंकि इससे यूक्रेन को सीधे वार्ता से बाहर रखने का संकेत गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुतिन ने युद्ध को एक "त्रासदी" बताया, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट किया कि टिकाऊ शांति तभी संभव है जब संघर्ष के असली कारणों को समझा जाए। उन्होंने अमेरिका और नाटो देशों पर आरोप लगाया कि वे यूक्रेन को रूस के खिलाफ भड़काकर इस युद्ध को लंबा खींच रहे हैं। पुतिन ने पश्चिमी देशों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि शांति प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा न डाली जाए। ट्रंप की मौजूदगी में यह बयान उनके लिए असहज करने वाला था।

व्हाइट हाउस में विदेशी नेताओं को अक्सर दबाव में रखने वाले ट्रंप, इस बार खुद दबाव में दिखे। पुतिन के सामने उनकी धमकी की भाषा बेअसर रही। अंततः ट्रंप को यह स्वीकार करना पड़ा कि-"कोई समझौता तब तक नहीं होता, जब तक असल में समझौता नहीं हो जाता और हम वहां तक नहीं पहुंचे।" यह बयान ट्रंप की विफलता और पुतिन की बढ़त का प्रतीक माना जा रहा है।

पुतिन का "नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को" कहना महज़ औपचारिक वाक्य नहीं था, बल्कि एक सोचा-समझा कूटनीतिक संदेश था। इसका सीधा अर्थ है कि अगर अमेरिका रूस से किसी समझौते की उम्मीद करता है, तो उसे मॉस्को जाकर बातचीत करनी होगी। यह न केवल ट्रंप की छवि को कमजोर करता है बल्कि अमेरिका की परंपरागत कूटनीतिक बढ़त को भी चुनौती देता है।

यह बैठक भले ही किसी ठोस नतीजे पर न पहुंची हो, लेकिन इसका प्रभाव गहरा है। पहला, ट्रंप की "शांति के मसीहा" वाली छवि को झटका लगा। दूसरा, पुतिन ने यह संदेश दिया कि रूस अभी भी वैश्विक राजनीति में ताकतवर खिलाड़ी है। तीसरा, नाटो देशों को साफ संकेत मिला कि रूस पीछे हटने वाला नहीं है।

अमेरिका लंबे समय से धमकी और दबाव की नीति पर चलता रहा है। लेकिन अलास्का की यह बैठक दिखाती है कि रूस जैसे देशों के सामने यह नीति कारगर नहीं होती। ट्रंप की आक्रामक रणनीति यहां विफल रही और उन्हें कूटनीतिक तौर पर झुकना पड़ा।

रूस-यूक्रेन युद्ध फिलहाल किसी समझौते की ओर नहीं बढ़ रहा है। पुतिन ने साफ कर दिया कि असली समस्या नाटो की नीतियां और अमेरिका का हस्तक्षेप है। जब तक यह हस्तक्षेप बंद नहीं होगा, शांति की कोई संभावना नहीं है। यह रुख बताता है कि युद्ध अभी लंबा खिंच सकता है और अमेरिका-रूस टकराव भी बढ़ सकता है।

अलास्का बैठक भले ही किसी समझौते तक नहीं पहुंची, लेकिन इसने दुनिया को दिखा दिया कि अमेरिकी दबाव की राजनीति अब उतनी कारगर नहीं रही। पुतिन ने ट्रंप को सबक सिखाते हुए साबित कर दिया कि रूस बातचीत में बराबरी की शर्तों पर ही आगे बढ़ेगा। अब अंतरराष्ट्रीय राजनीति की निगाहें इस पर हैं कि क्या ट्रंप वास्तव में मॉस्को जाकर पुतिन से समझौता करने की कोशिश करेंगे। अगर ऐसा हुआ तो यह शीतयुद्ध के बाद

विचार विण्डो

'ड्रोन लुटेरों' से फैली दहशत की हकीकत क्या?

डॉ. रमेश ठाकुर

ड्रोन की घटनाएं हकीकत हैं या अफवाह, यह अब भी अनसुलझी पहेली बनी हुई है। बीते एक महीने में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से लेकर हरियाणा, पंजाब, बिहार और मध्यप्रदेश तक "ड्रोन लुटेरों" की चर्चाओं ने ग्रामीण समाज में गहरी दहशत फैला दी है। लोग रात-रात भर जागकर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। प्रशासन इसे अफवाह मान रहा है, लेकिन ग्रामीण इसे सच मानकर 'आसमानी चोर' का नाम दे चुके हैं।

पिछले दो सालों से केंद्र सरकार 'स्वामित्व योजना' के तहत ग्रामीण भूमि का ड्रोन सर्वेक्षण करा रही है। मार्च 2026 तक इस योजना के अंतर्गत 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है और अब तक 92% कार्य पूरा हो चुका है। सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का डिजिटल मास्टर कार्ड उपलब्ध कराया जाए। लोगों का सवाल है कि क्या मौजूदा समय में उड़ने वाले रहस्यमयी ड्रोन इसी योजना का हिस्सा हैं? प्रशासन इस पर चुप्पी साधे हुए है और घटनाओं को अफवाह मान रहा है, लेकिन ग्रामीणों को शक है कि कहीं कोई और वजह तो नहीं छिपी।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ड्रोन अफवाहों ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है। ग्रामीण रात में टॉर्च और बल्ब जलाकर पहरेदारी करते हैं। जुगनू की रोशनी या पेड़-पौधों की सरसराहट भी उन्हें डराने लगती है। लोग सोशल मीडिया पर ड्रोन दिखने की खबरें डालते हैं, जिससे अफवाहें और तेज हो जाती हैं। पुलिस कहती है कि यदि वास्तव में ड्रोन दिखें तो लोग सीधे थाने से संपर्क करें, लेकिन ऐसा कम ही हो रहा है।

बढ़ती दहशत को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने रात में गश्त और जागरूकता अभियान तेज किए हैं। कई जिलों में एसपी और डीएम तक हालात का जायजा लेने के लिए रात में निकल रहे हैं। सरकार ने सख्त निर्देश दिए हैं कि अफवाह फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई होगी। ड्रोन उड़ाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। हाल ही में कुछ यूट्यूबर और कैटरिंग वालों को बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर पकड़ा गया, लेकिन वे कथित "ड्रोन गिरोह" से जुड़े नहीं निकले।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से शुरू हुआ डर अब पंजाब, हरियाणा, बिहार और मध्यप्रदेश तक फैल गया है। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में रात के समय ड्रोन देखे जाने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चोर पहले ड्रोन से घरों की रेकी करते हैं और फिर अगली रात हमला बोलते हैं। हालांकि प्रशासन ने अब तक ऐसी किसी घटना की पुष्टि नहीं की है।

उत्तर प्रदेश में पिछले तीन हफ्तों में 365 और उत्तराखंड में 245 ड्रोन से जुड़ी घटनाएं दर्ज हुई हैं, लेकिन जांच के बाद ज्यादातर मामले अफवाह साबित हुए। बिजनौर में हुई एक घटना इसका उदाहरण है, जहां एक महिला पर चाकू से हमला हुआ। लोगों ने इसे ड्रोन गिरोह से जोड़ा, लेकिन बाद में पता चला कि हमला उसके पड़ोसी ने पुरानी जमीन विवाद के चलते किया था।

ड्रोन गिरोह की अफवाहें अब हिंसक रूप लेने लगी हैं। राहगीरों को चोर समझकर पीटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। शराबियों को भी कई जगह ड्रोन गिरोह का सदस्य मानकर मारपीट की गई। सबसे दर्दनाक घटना बरेली में हुई, जहां मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति को ग्रामीणों ने 'ड्रोन गिरोह का सदस्य' समझकर पीट-पीटकर मार डाला।

भारत में पहले भी इस तरह की अफवाहें फैली हैं। कभी "चोटी कटवा" गिरोह, तो कभी "कच्छा-बनियान गिरोह", "बाबा गिरोह" और "तलवारधारी गिरोह" की चर्चाओं ने गांवों में डर फैलाया था। मौजूदा ड्रोन अफवाहें भी उसी कड़ी का हिस्सा लगती हैं, जहां अनजाने भय से समाज में उथल-पुथल मच जाती है।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार ने ड्रोन से जुड़ी शिकायतों के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। अब तक लगभग 7900 कॉल्स रिकॉर्ड हुई हैं, जिनमें से ज्यादातर अफवाह ही निकलीं। कहीं कोई गिरोह या संगठित अपराध सामने नहीं आया। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

ड्रोन लुटेरों की कहानियां फिलहाल अफवाह ही ज्यादा साबित हो रही हैं। प्रशासनिक जांच में ज्यादातर घटनाओं के पीछे या तो पुरानी रंजिशें मिली हैं या फिर लोगों की अज्ञानता। हालांकि, डर और दहशत ने हालात बिगाड़ दिए हैं। ग्रामीण समाज को जागरूक करना और अफवाहों पर अंकुश लगाना प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। वरना, बरेली जैसी दर्दनाक घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी। असली चुनौती यही है कि ग्रामीणों के मन से यह डर निकाला जाए कि आसमान में उड़ने वाला हर ड्रोन 'आसमानी चोर' नहीं होता।

एशिया कप: पाकिस्तान का फिर हारना तय?

नवाज की वापसी से बढ़ीं भारतीय उम्मीदें

यूनिक समय,नई दिल्ली। 14 सितंबर को होने वाले भारत–पाकिस्तान मुकाबले से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयन ने फिर से विवाद खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान ने जिस खिलाड़ी को टीम में जगह दी है, वह भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी सौगात से कम नहीं। यह नाम है बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मोहम्मद नवाज का।

पाकिस्तान क्रिकेट में लंबे समय से यह चर्चा रही है कि टीम का चयन अक्सर अनुभव और प्रदर्शन को नजरअंदाज कर किया जाता है। इस बार भी वही हुआ। नवाज को एक साल में दो बार भारत के खिलाफ मैच हराने का "क्रेडिट" मिलता है। 2022 में दुबई और 2023 में मेलबर्न–दोनों बड़े मंचों पर उन्होंने अंतिम ओवर में गेंदबाजी की और भारतीय टीम को जीत की राह दिखाई।

दुबई में जब भारत को जीत के लिए सात रन चाहिए थे, तब हार्दिक पंड्या ने नवाज की गेंद पर छक्का जड़ दिया। वहीं मेलबर्न में हुए टी–20 विश्वकप के मुकाबले में भारत को अंतिम ओवर में 16 रन चाहिए थे। गेंद फिर नवाज को सौंपी गई और विराट कोहली तथा आर अश्विन ने पाकिस्तान से जीत छीन ली। इन दोनों हारों के बाद नवाज टीम से बाहर कर दिए गए, लेकिन अब दो साल बाद उनकी वापसी हुई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के खिलाफ खेलना हमेशा पाकिस्तान खिलाड़ियों पर दबाव डालता है। ऐसे में उसी गेंदबाज को शामिल करना, जो दो बार निर्णायक ओवर में असफल रहा है, टीम के आत्मविश्वास को और कमजोर करेगा। यही कारण है कि भारतीय प्रशंसक नवाज की वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

पाकिस्तान की टीम चयन नीति भी सवालों के घेरे में है। पीएसएल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को चुना गया, लेकिन अनुभव की भारी कमी दिख रही है। शाहीन शाह अफरीदी, हैरिस रऊफ, हसन अली और फखर जमां जैसे कुछ नामों को छोड़ दिया जाए तो बाकी खिलाड़ियों के पास भारत के खिलाफ खेलने का कोई खास अनुभव नहीं है। क्रिकेट विशेषज्ञ इसे पाकिस्तान क्रिकेट की कमजोरी मान रहे हैं। पिछले दो दशकों से पाकिस्तान क्रिकेट का ग्राफ लगातार गिरता रहा है। टीम में न तो पुराने जमाने जैसी स्थिरता है और न ही वह दमखम, जिससे दबाव झेल सके। एशिया कप में जब भारत–पाकिस्तान का महामुकाबला होगा, तो एक बार फिर नजरें मोहम्मद नवाज पर होंगी। भारतीय फैन्स मान रहे हैं कि उनकी मौजूदगी में पाकिस्तान की हार लगभग तय है।

बंगाल फाइल्स विवाद: विवेक अग्निहोत्री का पलटवार

प्राथमिकी और विरोध के बीच फिल्म पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म निर्माता विवेक रंजन अग्निहोत्री की आने वाली फिल्म बंगाल फाइल्स प्रदर्शन से पहले ही विवादों में घिर गई है। 1946 के दंगों को रोकने वाले बंगाली योद्धा गोपाल मुखर्जी के चित्रण को लेकर विरोध शुरू हुआ और उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई। इसी बीच विवेक अग्निहोत्री और उनकी पत्नी,अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने संवाददाता सम्मेलन कर हर विवाद पर खुलकर जवाब दिया।

अग्निहोत्री ने कहा कि इस फिल्म को शोध और गवाहों की बातों पर तैयार किया गया है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल फाइल्स 18 हज़ार पन्नों के दस्तावेज़ों और गहन शोध पर आधारित है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड और इतिहासकारों ने इसे बिना कट मंजूरी दे दी है तो इसके खिलाफ विरोध और प्राथमिकी क्यों हो रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह शिकायतें दर्ज करवाईं, जबकि इस फिल्म को बंगाल के गौरव की तरह देखा जाना चाहिए।

फिल्म के प्रदर्शन तिथि पर उन्होंने कहा कि 16 अगस्त को प्रत्यक्ष कार्य दिवस की याद में फिल्म को प्रदर्शित करना गुनाह कैसे हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोलकाता में उनका झलक विमोचन कार्यक्रम रोका गया और होटल आईटीसी के प्रबंधन ने दबाव में आकर इसे रद्द कर दिया। अग्निहोत्री ने संवाददाता सम्मेलन में एक दृश्य भी दिखाया, जिसमें होटल का प्रबंधक पत्रकारों से घिरा हुआ नज़र आ रहा था।

पल्लवी जोशी ने कहा कि उनकी लोकतंत्र त्रयी की तीसरी फिल्म बंगाल फाइल्स है। इससे पहले उन्होंने ताशकंद फाइल्स और कश्मीर दस्तावेज़ बनाई थीं। पल्लवी ने आरोप लगाया कि बंगाल में आज भी कई जगह भयावह घटनाएँ हो रही हैं और उनकी फिल्म इन्हीं सवालों को उठाती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का असली स्तंभ सत्य है और यही उनकी फिल्मों की आधारशिला रही है।

अग्निहोत्री और पल्लवी का दावा है कि बंगाल दस्तावेज़ किसी दल या व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि इतिहास और लोकतंत्र की सच्चाई को सामने लाने के लिए बनाई गई है। हालांकि, विरोध और प्राथमिकी के बीच यह फिल्म पहले ही सुर्खियों में आ चुकी है और अब देखना होगा कि इसके प्रदर्शन पर क्या असर पड़ता है।

रेजिना कैसेंड्रा ने पूरे किए 20 साल, बताया संघर्ष और अनुभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी–मानी अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने सिनेमा की दुनिया में 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह राह जितनी खूबसूरत दिखाई देती है, उतनी आसान बिल्कुल नहीं थी। रेजिना ने हाल ही में सनी देओल की फिल्म जाट और अक्षय कुमार की केसरी चैप्टर 2 में अभिनय किया था।

रेजिना ने बताया कि उन्हें विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम करने के अवसर मिले, जो उनके करियर का अहम हिस्सा रहे। उन्होंने कहा कि कई बार उन्हें खुद पर शक होता था कि क्या वह उम्मीदों पर खरी उतर पाएंगी या नहीं। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी और अनुभव भी सीमित था। उन्होंने यह भी साझा किया कि उनके पास कोई मेंटर नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने अनुभवों से ही सब कुछ सीखा और आगे बढ़ीं।

अभिनेत्री का कहना है कि उनके करियर ने उन्हें अलग–अलग तरह के किरदार निभाने का अवसर दिया। चाहे वह भोली–भाली लड़की का रोल हो, साइको किरदार, ड्रग एडिक्ट या फिर कोई चुनौतीपूर्ण भूमिका–उन्होंने हर किरदार को पूरे मन से निभाया। रेजिना को खुशी है कि उन्हें किसी एक तरह की भूमिकाओं तक सीमित नहीं किया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि साउथ इंडस्ट्री में जहां कहानियों को ज्यादा रिलेटेबल बनाने पर ध्यान दिया जाता है, वहीं बॉलीवुड में अक्सर कलाकारों को स्टार बनाने पर जोर दिया जाता है। अपने 20 साल के करियर को याद करते हुए रेजिना ने कहा कि इस यात्रा ने उन्हें एक मजबूत इंसान और बेहतर कलाकार बनाया है।

आकाश दीप हुए इस टूर्नामेंट से बाहर

132 विकेट लेने वाले बॉलर की चमकी किस्मत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2025 से पहले ईस्ट जोन की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 132 विकेट ले चुके मुख्तार हुसैन को टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले कप्तान ईशान किशन भी चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं, जिसके चलते टीम का संतुलन बिगड़ता जा रहा है।

मुख्तार हुसैन डोमेस्टिक क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते आए हैं। उन्होंने अब तक 40 फर्स्ट क्लास, 43 लिस्ट ए और 36 टी–20 मैच खेले हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 132 विकेट, लिस्ट ए में 49 और टी–20 में 39 विकेट हासिल किए हैं। वह पहले ही स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर टीम से जुड़े हुए थे, लेकिन अब आकाश दीप की जगह उन्हें स्क्वॉड में शामिल कर लिया गया है। आकाश दीप की हालिया फॉर्म की बात करें तो इंग्लैंड सीरीज में उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी।

रियान पराग बने उपकप्तान

उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 13 विकेट चटकाए थे। चोट के कारण वह चौथे मैच में नहीं खेल पाए थे, लेकिन पांचवें मैच में शानदार वापसी करते हुए नाइट वॉचमैन की भूमिका निभाते हुए बल्ले से भी 66 रनों की पारी खेली थी। हालांकि मौजूदा चोट के चलते डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

टीम मैनेजमेंट ने अब ईशान किशन की गैरमौजूदगी में अभिमन्यु ईश्वरन को कप्तान और रियान पराग को उपकप्तान नियुक्त किया है। रियान पराग का चयन टीम को मजबूती देने के लिए अहम माना जा रहा है। टीम की अगली चुनौती 28 अगस्त से शुरू होने वाले मुकाबले में होगी, जहां ईस्ट जोन बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर नॉर्थ जोन से भिड़ेगा।

ईस्ट जोन की टीम में शामिल खिलाड़ी हैं: अभिमन्यु ईश्वरन, आशीर्वाद स्वैन (विकेटकीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जयसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी। स्टैंडबाय खिलाड़ियों में वैभव सूर्यवंशी, स्वास्तिक सामल, सुदीप कुमार घरामी और राहुल सिंह को रखा गया है।

इस तरह लगातार खिलाड़ियों के बाहर होने से ईस्ट जोन की टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन नए खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

सपना चौधरी का सुपरहिट गाना 'जले–2' ने मचाई धूम

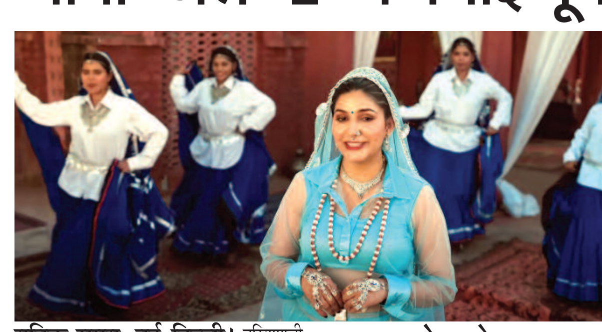

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणवी डांसर और सिंगर सपना चौधरी का नाम आज इंडस्ट्री में गारंटी ऑफ हिट बन चुका है। उनके गाने रिलीज होते ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर छा जाते हैं। हाल ही में उनका गाना जले 2 दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इस म्यूजिक वीडियो को अब तक 536 मिलियन यानी 53 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

गाने में सपना चौधरी अपने खास हरियाणवी अंदाज में दिखाई देती हैं। वीडियो में उनका डांस और एक्सप्रेशंस लोगों का दिल जीत रहे हैं। सपना का अंदाज इतना जबरदस्त है कि दर्शक बार–बार इस गाने को देखना पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो

53 करोड़ से ज्यादा व्यूज

में उनके साथ अमन जाजी भी नजर आ रहे हैं, जिन्होंने गाने को संगीत दिया है। जले 2 के बोल मुकेश जाजी ने लिखे हैं, जबकि इसका निर्देशन साहिल संधू ने किया है।

गाने का प्रोडक्शन दीपेश खेजा ने संभाला है। सपना चौधरी ने अपनी अदाओं और जबरदस्त डांस मूव्स से एक बार फिर साबित कर दिया है कि क्यों वे हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री की क्वीन मानी जाती हैं।

मेरठ के भूनी टोल प्लाजा पर बवाल

सेना के जवान से मारपीट के बाद ग्रामीणों ने किया हंगामा

अधिकारियों को जमीन पर बैठाया

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ जिले के सरूरपुर स्थित भूनी टोल प्लाजा पर रविवार रात सेना के जवान कपिल और उसके चचेरे भाई शिवम से हुई मारपीट का मामला तूल पकड़ गया। सोमवार सुबह कपिल के गांव गोटका के सैकड़ों ग्रामीण टोल प्लाजा पर पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। आक्रोशित भीड़ ने टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ की, बैरिकेड्स और खिड़कियां तोड़ डालीं। इस दौरान टोल प्लाजा से शुल्क वसूली भी रोक दी गई।

ग्रामीणों का कहना था कि देश की सुरक्षा में तैनात जवान के साथ इस तरह का बर्ताव शर्मनाक है। उन्होंने टोल कर्मचारियों की बर्खास्तगी और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक दोषियों को सजा और टोल प्रबंधन पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कई लोगों को हिरासत में लिया। हालांकि ग्रामीण मानने को तैयार नहीं थे, लेकिन टोल प्लाजा को पूरी तरह फ्री करा दिया। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन का कहना है कि ग्रामीणों से बातचीत कर मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

यह घटना तब हुई जब जवान कपिल अपने चचेरे भाई शिवम के साथ एयरपोर्ट जाने के लिए कार से निकला था। टोल पर उसने कर्मचारियों को अपना आईडी कार्ड दिखाया, लेकिन कर्मचारियों ने आईडी व मोबाइल फोन छीन लिया और विरोध करने पर दोनों के साथ मारपीट कर दी।

योगी सरकार में गुंडई नहीं चलेगी : संगीत सोम

यूनिक समय, मेरठ। भूनी टोल प्लाजा पर सेना के जवान कपिल की पिटाई का मामला अब सियासी हो गया है। सोमवार को सरधना के पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने एसपी देहात राकेश मिश्रा, एडीएम प्रशासन सत्य प्रकाश और एसडीएम उदित नारायण सेंगर को सड़क पर ही बैठाकर जवाब मांगा।

संगीत सोम ने कहा कि भाजपा सरकार में गुंडई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा गया तो वे अनिश्चितकालीन धरना देंगे। सोम ने कहा कि मेरठ जिला भगवान भरोसे चल रहा है और गुंडई चरम पर है।

ग्रामीणों के बीच बैठकर उन्होंने कहा कि यह सपा–बसपा की नहीं बल्कि योगी सरकार है, जहां गुंडों को तुरंत सबक सिखाया जाएगा। जवान का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा।

एसपी देहात से तीखी नोकझोंक के दौरान सोम ने कहा, "आज मैं नहीं मनाऊंगा, आज आप मनाइए।" उनका दावा था कि अगर वे धरने पर बैठ गए तो एक लाख लोग उनके साथ जुट जाएंगे।

घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और सोमवार को टोल प्लाजा पर जमकर बवाल हो गया।

आईएएस के करीबी निकांत जैन पर आयकर विभाग की जांच तेज

यूनिक समय, लखनऊ। निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश के करीबी माने जाने वाले निकांत जैन पर आयकर विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। आयकर विभाग ने स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से निकांत जैन के आवास और कार्यालय से बरामद दस्तावेज मांगे हैं। निकांत को इन्वेस्ट यूपी में कमीशनखोरी का रैकेट चलाने के आरोप में एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। अब आयकर विभाग इन दस्तावेजों और जांच में सामने आए तथ्यों को खंगालकर आगे की कार्रवाई करेगा।

सूत्रों के मुताबिक दस्तावेज मिलने के बाद आयकर विभाग निकांत को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाएगा। इसके साथ ही उसकी कंपनी और निदेशक सौरभ सेठ की आधा दर्जन से अधिक कंपनियों के लेन–देन की गहन जांच भी शुरू हो गई है। बीते दस वर्षों में हुए वित्तीय लेन–देन, बैंक खातों और संपत्तियों की जानकारी खंगाली जा रही है। अधिकारियों को आशंका है कि इन कंपनियों के जरिए कई प्रोजेक्ट्स की मंजूरी के बदले भारी कमीशन लिया गया था।

ईडी भी भेजेगा नोटिस

आयकर विभाग की जांच के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी सक्रिय हो गया है। ईडी निकांत जैन और सौरभ सेठ दोनों को नोटिस जारी करने की तैयारी में है। संभावना है कि अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में दोनों को पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय बुलाया जाएगा। छापों के दौरान निकांत अपने आवास पर मौजूद नहीं मिला था और उसकी पत्नी ने भी उसके ठिकाने की जानकारी होने से इंकार कर दिया था। जांच एजेंसियां मान रही हैं कि निकांत के खिलाफ जुटाए गए दस्तावेज आईएएस अभिषेक प्रकाश तक भी जांच का दायरा बढ़ा सकते हैं। इस पूरे प्रकरण ने नौकरशाही और कारोबारी जगत में हलचल मचा दी है।

69,000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को 69,000 शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया और नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों का आरोप है कि भर्ती में व्यापक अनियमितता हुई, जिसके कारण आरक्षित वर्ग के हजारों उम्मीदवार नौकरी से वंचित रह गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2018 में शुरू हुई थी। परिणाम आने के बाद आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ और उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया के बाद 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया और तीन महीने के भीतर नियुक्ति देने का आदेश दिया। हालांकि, सरकार द्वारा आदेश का पालन नहीं किया गया और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट में अब तक 20 से अधिक तारीखें लगी हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में उनकी ओर से मजबूत पैरवी करने में असफल रही, जिससे उन्हें न्याय नहीं मिल रहा।

अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि जब तक सुप्रीम कोर्ट में उनकी पैरवी नहीं की जाती और नियुक्ति नहीं दी जाती, तब तक वे सड़क पर आंदोलन जारी रखेंगे। उनका कहना है कि सरकार को जल्द ही सक्रिय कदम उठाकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्याय दिलाना होगा। यह प्रदर्शन राज्य सरकार और न्यायिक प्रक्रिया में हुई देरी के खिलाफ अभ्यर्थियों का रोष प्रदर्शित करता है।

एएमयू में छात्र नेता का विवादित बयान

यूपी सरकार के नियम नहीं लागू होंगे

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में फीस वृद्धि और छात्र संघ चुनाव को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के शोध छात्र तल्हा मन्नान ने विवादित बयान दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें तल्हा मन्नान गले में फिलीस्तीन का झंडा लटकाए दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में वह कहते सुनाई दे रहे हैं कि बाब–ए–सैयद गेट से लेकर शताब्दी द्वार तक विश्वविद्यालय के अपने नियम लागू होते हैं और यहां उत्तर प्रदेश सरकार के नियम कैसे लागू हो सकते हैं। उन्होंने

गले में फिलीस्तीन का झंडा

सवाल उठाया कि किसी प्रॉक्टर की इतनी हिम्मत कैसे हो सकती है कि वह यूपी सरकार के नियमों को विश्वविद्यालय में थोपे। छात्र नेता का यह बयान प्रशासन और सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की जांच की बात कही है और कहा है कि छात्रों द्वारा की जा रही गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। यह विवाद ऐसे समय में आया है जब विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध और छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर प्रदर्शन लगातार जारी हैं। प्रशासन ने छात्रों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को रखने

बहराइच के कारिकोट गांव को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय सम्मान

यूनिक समय, लखनऊ। बहराइच जिले के कारिकोट गांव को ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी जाएगी। गांव का चयन अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार 2025 के लिए किया गया है। यह पुरस्कार दिल्ली में 13 सितंबर को आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। कारिकोट गांव का यह चयन ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय सांस्कृतिक पहल को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए हुआ है। ग्रामीण जीवन, संस्कृति, हस्तकला और पारंपरिक गतिविधियों को सुरक्षित और विकसित करने के लिए किए गए प्रयासों को इस पुरस्कार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार 2025 में चयनित

गांव के स्थानीय लोग और प्रशासन इस सम्मान को अपनी मेहनत और योगदान का परिणाम मान रहे हैं। पुरस्कार से न केवल कारिकोट गांव बल्कि पूरे बहराइच जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को भी मजबूती मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार 2025 के माध्यम से कारिकोट जैसी ग्रामीण पहलों को प्रोत्साहन दिया जाएगा और अन्य गांवों को भी प्रेरणा मिलेगी कि वे अपने स्थानीय संसाधनों और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करें।

सार संक्षेप

पटना : छात्रों पर बल प्रयोग नहीं : पुलिस उपाधीक्षक

यूनिक समय, नई दिल्ली। राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) की मांग को लेकर पटना में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी। पुलिस उपाधीक्षक कृष्ण मुरारी प्रसाद ने कहा, बल का प्रयोग नहीं हुआ। धरना स्थल गर्दनीबाग तय है, मुख्य मार्ग जाम करना व्यवस्था बिगाड़ता है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले सी.पी. राधाकृष्णन

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन उपराष्ट्रपति पद प्रत्याशी और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने दिल्ली में पहुँचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्रियों व नेताओं ने उनका स्वागत किया।

लोकसभा : शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा पर चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की यात्रा भारत के लिए गौरव की बात है। यह अभियान 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में अंतरिक्ष की भूमिका को मजबूत करेगा।

विस्फोटक धमाके में जवान शहीद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए विस्फोटक धमाके में एक जवान शहीद हो गया, जबकि दो अन्य घायल हुए। सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया।

विद्यालय में बम की धमकी की कॉल

यूनिक समय, नई दिल्ली। द्वारका स्थित दिल्ली सार्वजनिक विद्यालय में बम की धमकी मिलने पर परिसर खाली कराया गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुँचा और खोज अभियान चलाया।

हरियाणा : यमुना का जलस्तर बढ़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारी वर्षा के बाद यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया। हथिनीकुंड बाँध के सभी 18 फाटक खोल दिए गए। विभाग ने कहा, यह मौसम का सबसे अधिक जलस्तर है।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने राधाकृष्णन पर खुशी

यूनिक समय, दिल्ली। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया। बीजेपी सांसद प्रताप चंद्र सारंगी ने कहा, यह हमारे लिए खुशी की बात है। उन्होंने हर पद पर जिम्मेदारी व निष्ठा से कार्य किया है।

एयरटेल नेटवर्क डाउन, दिल्ली-एनसीआर में लोगों को परेशानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में एयरटेल का नेटवर्क डाउन हो गया है। लोग कॉल और इंटरनेट सेवाओं में दिक्कत का सामना कर रहे हैं। एयरटेल की टीम समस्या का समाधान करने और सेवाएं जल्द बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

इंडिया गठबंधन बनाम चुनाव आयोग

कांग्रेस बोली- आयोग जवाबदेही से भाग रहा है

यूनिक समय, नई दिल्ली। वोट चोरी और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया और चुनाव आयोग के बीच विवाद बढ़ गया है।

रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कांग्रेस और राहुल गांधी के आरोपों का खंडन करते हुए हलफनामा देने या माफी मांगने की बात कही थी। इसके जवाब में सोमवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं ने प्रेसवार्ता कर आयोग पर गंभीर आरोप लगाए।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि चुनाव आयोग विपक्ष के सवालों का जवाब देने से बच रहा है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में मतदाता सूची में विसंगतियां साफ नजर आ रही हैं, लेकिन आयोग मौन है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अब उन अधिकारियों के इशारे पर काम कर रहा है जो विपक्ष की शिकायतों की जांच करने से बचते हैं। गोगोई ने सवाल किया कि बिहार में विशेष पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर आयोग चुप क्यों रहा और लोकसभा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच अचानक 70 लाख नए मतदाता कैसे जुड़ गए?

समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि राहुल गांधी से बार-बार हलफनामा मांगना उचित नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि 2018 से ही वे हलफनामों के साथ आयोग को शिकायतें भेजते रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यादव ने कहा कि यूपी में मतदाता सूचियों से नाम काटने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, जिसे एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा बताया। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को कठपुतली बताते हुए उनके लोकसभा भंग करने की मांग कर दी। उन्होंने कहा कि डुप्लिकेट ईपीआईसी कार्ड और फर्जी मतदाता सूची जैसे मुद्दों का समाधान नहीं किया गया। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि चुनाव आयोग संविधान का पर्याय नहीं है, बल्कि संविधान से जन्मा संस्थान है। इसे सत्ता के बचाव का औजार नहीं बनाया जाना चाहिए।

हर्ष पर्वत पर भीषण हादसा: 250 फीट गहरी खाई में गिरी स्कोडा कार

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के सीकर जिले के हर्ष पर्वत पर रविवार रात बड़ा हादसा हो गया। वॉच टावर के पास आंतरी नाले के समीप एक स्कोडा कार अनियंत्रित होकर करीब 250 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में जयपुर निवासी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हर्षित शर्मा उर्फ देवांग (22) और एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रीति (27) गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे सीकर के एसके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर जीणमाता थाना पुलिस, सदर थाना पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से कार को खाई से बाहर निकाला गया। हादसे में वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि हर्ष पर्वत समुद्र तल से 3100 फीट ऊंचा है और यहां आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं।

दो की मौत, एक गंभीर घायल

घायल प्रीति ने बताया कि दुर्घटना रविवार देर रात हुई। मृतक हर्षित चार दिन पहले दिल्ली से लौटा था। हादसे की सूचना रात में नहीं मिल सकी और कार खाई में पड़ी रही। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने प्रशासन को खबर दी, जिसके बाद रेस्क्यू किया गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए हैं और आगे की जांच शुरू कर दी है।

बेंगलुरु में ट्रक ड्राइवर की हार्ट अटैक से मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पोर्टर ऐप से जुड़े कर्मचारी प्रकाश रेड्डी की अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह ट्रक से निकलने के बाद अचानक लड़खड़ाकर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी जान चली गई। पूरी घटना मादनायकनहल्ली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई और यह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूत्रों के अनुसार, प्रकाश रेड्डी बेंगलुरु के बोम्सन्दरा से प्रिंस पैकेजिंग कंपनी में सामान लेकर पहुंचे थे। वहां अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह जमीन पर गिर गए। वीडियो में साफ दिखा कि जमीन पर गिरने के बाद वह संघर्ष कर रहे थे, लेकिन वहां मौजूद सहयोगियों ने मदद नहीं की। अनुमान है कि यदि समय पर सहायता मिलती तो उनकी जान बच सकती थी। इसी तरह की घटनाएं छत्तीसगढ़ में भी सामने आई हैं। जांजगीर-चांपा जिले में होटल में नाश्ता कर रहे शिवनारायण गढ़ेवाल की अचानक मौत हो गई। वहीं, कुछ दिन पहले अंबिकापुर में बाइक चला रहे युवक की हार्ट अटैक से जान चली गई। लगातार बढ़ती ऐसी घटनाएं समाज के लिए चिंता का विषय बन गई हैं और स्वास्थ्य विशेषज्ञ इन पर गंभीर ध्यान देने की अपील कर रहे हैं।

मुंबई में भारी बारिश से जनजीवन ठप

यूनिक समय, मुंबई। महाराष्ट्र में लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मौसम विभाग ने मुंबई के लिए सोमवार को भी रेड अलर्ट जारी किया है। एहतियातन सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। मुंबई पुलिस कमिश्नर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक बाहर न निकलें।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि जलभराव और कम दृश्यता के चलते यात्रा में जोखिम बढ़ गया है। किसी भी आपात स्थिति में 100, 112 और 103 नंबर पर संपर्क करने की अपील की गई है। बीएमसी के अनुसार, केवल चार घंटे में चेंबूर में 140 मिमी, दादर में 139 मिमी और वडाला में 133 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई।

स्कूल-कॉलेज बंद, प्रशासन सतर्क

तेज बारिश के कारण लोकल ट्रेनों की गति धीमी हो गई है और कई ट्रेनें में 15 से 20 मिनट की देरी हो रही है। हवाई यातायात पर भी असर पड़ा है। इंडिगो और स्पाइसजेट ने यात्रियों को सावधानी बरतने और यात्रा से पहले फ्लाइट की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी है। एयरपोर्ट जाने वाले मार्गों पर पानी भरने से जाम की स्थिति है।

भारी बारिश से कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई हैं। लोगों को केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि राहत और बचाव दल पूरी तरह सक्रिय हैं और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीजेआई गवई की सख्त टिप्पणी

दो घंटे की बारिश से दिल्ली थम जाती है

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बरसात के दौरान बिगड़ते हालात पर सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी की है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने सोमवार को कहा कि "दिल्ली में आप जानते हैं कि क्या होता है, यदि केवल दो घंटे बारिश हो जाए तो पूरा शहर लकवाग्रस्त हो जाता है।" उनकी यह टिप्पणी उस समय आई जब अदालत केरल के त्रिशूर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 544 के टोल प्लाजा से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी।

दरअसल, केरल उच्च न्यायालय ने खराब सड़क स्थिति के चलते टोल वसूली को निलंबित कर दिया था। इस फैसले को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी।

सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सड़क के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने में 12 घंटे लगते हैं, तो ऐसे में टोल वसूली कैसे न्यायोचित ठहराई जा सकती है।

मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली के हालात का हवाला देते हुए कहा कि यहां हल्की बारिश भी प्रशासनिक तैयारियों की पोल खोल देती है और शहर पूरी तरह ठहर जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनएचएआई की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जब सड़कें उचित स्थिति में नहीं हैं और नागरिकों को लंबे जाम में फंसना पड़ता है, तो उनसे टोल क्यों वसूला जाए।

यह टिप्पणी देश में सड़कों की दुर्दशा और प्रशासनिक लापरवाही पर सीधा संकेत मानी जा रही है।

भोपाल मस्जिद विवाद

हटाने के आदेश पर टकराव तेज, कोर्ट में पहुंचेगा मामला

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की दो मस्जिदों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जिला प्रशासन ने दिलकश मस्जिद और भदभदा मस्जिद को अवैध बताते हुए हटाने का आदेश जारी किया है। प्रशासन का कहना है कि ये मस्जिदें बड़े तालाब के प्रतिबंधित क्षेत्र में अतिक्रमण कर बनाई गई हैं। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि इन्हें तुरंत नहीं हटाया गया तो बलपूर्वक कार्रवाई होगी।

वहीं, इस आदेश का मुस्लिम संगठनों और वक्फ बोर्ड ने कड़ा विरोध किया है। वक्फ बोर्ड का दावा है कि ये मस्जिदें उनकी वैध संपत्ति हैं और इसके प्रमाणस्वरूप उनके पास 1937 से दस्तावेज मौजूद हैं। बोर्ड ने इस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। दूसरी ओर, मुस्लिम संगठनों ने चेतावनी दी है कि मस्जिद पर अगर किसी ने पैर भी रखा तो आर-पार की लड़ाई होगी।

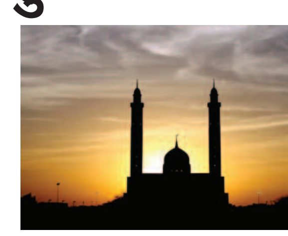

उधर, हिंदू संगठन प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन मस्जिदों को हर हाल में हटाना चाहिए क्योंकि बड़ा तालाब शहर की जीवनरेखा है और उसके संरक्षण के लिए अतिक्रमण हटाना आवश्यक है।

प्रशासन का तर्क है कि एनजीटी और पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना के तहत तालाब के क्षेत्र में 35 से अधिक अतिक्रमणों की पहचान हुई है, जिनमें ये दो मस्जिदें भी शामिल हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि "लैंड जिहाद" किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं होगा और कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी।

पटना में एसटीईटी को लेकर छात्रों का जमकर प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी पटना में सोमवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने एसटीईटी परीक्षा को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों का आरोप है कि रिजल्ट आने के बाद भी अब तक नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, जिससे हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। छात्रों ने शिक्षा विभाग और बिहार सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि कई महीने बीत जाने के बावजूद विज्ञापन और नियुक्ति की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना था कि बेरोजगार अभ्यर्थी लंबे समय से तैयारी कर रहे हैं और अब धैर्य जवाब दे रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार जल्द ही नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं करती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। मौके पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई और प्रशासन ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया।

सजि–धजि आया नंद का आंगन, गूंज उठीं बधाइयां

नंदोत्सव में प्रसादी पाने के लिए लालायित श्रद्धालु।

संवाददाता

यूनिक समय, नंदगांव। बालकृष्ण के अवतरण के उपरांत नंदमहल में जन्मोत्सव की खुमारी भक्तों के सिर चढ़कर बोल रही थी। सोमवार को नंदबाबा का गांव बालकृष्ण के अवतरण की खुशी में डूबा रहा। चारों ओर गूंज रही थी– "नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की।" नंदभवन पहुंचने की होड़ में हर कोई पारंपरिक परिधान में सजा–धजा चला आ रहा था। पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार सुबह 10 बजे बरसाना के गोप नंदभवन पहुंचे। जगमोहन में नंदगांव–बरसाना के गोपों ने संयुक्त समाज गायन कर पहले नंद–यशोदा को और फिर एक–दूसरे को बधाई दी। करीब तीन घंटे तक चले समाज गायन में "रंगीली आज बाजै अरी हेरी मां" और "सुख बरसै री हेली जसुमति महल में" जैसी प्रस्तुतियों पर लोग झूम उठे। इसके बाद नंदमहल में प्रतीकात्मक मल्लयुद्ध हुआ।

सेवायत गोस्वामियों ने युद्ध की चुनौती देकर कुश्ती का शुभारंभ किया। बराबरी पर छोड़े गए इस खेल में बच्चों–बुजुर्गों ने भी भाग लिया। तत्पश्चात हास–परिहास का दौर चला, जिसमें बरसाना के गोप "नंद के जमाई की जय" बोलते तो नंदगांव वाले "वृषभानु के जमाई की जय।" कार्यक्रम में एक भांड स्वरूप युवक 15 फुट ऊंचे बांस पर चढ़कर कृष्ण–बलराम की स्तुति गाकर बधाई देता दिखा। शंकर लीला का आयोजन भी हुआ, जिसमें शिवजी बालकृष्ण को मोरपंखों से झाड़ा लगाते देख भक्त भावविभोर हो उठे। जन्मोत्सव पर कान्हा की "छीछी" लेने की होड़ रही और सेवायतों ने खिलौने, वस्त्र व प्रसाद लुटाए। इस अवसर पर कृष्ण–बलराम को राखी भी बांधी गई।

मांट तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस

डीएम ने त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने मांट तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की संयुक्त अध्यक्षता की। इस अवसर पर राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य और ग्राम विकास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त सभी शिकायतों का गुणवत्ता और समय निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों को मौके पर जाकर फरियादियों का पक्ष सुनकर समाधान करने और लंबित प्रकरणों में विलम्ब का कारण बताने के लिए भी कहा गया। पुलिस से संबंधित मामलों की सुनवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने की और सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिए कि प्रत्येक मामले में त्वरित और नियमानुसार कार्रवाई की जाए। संपूर्ण समाधान दिवस में तहसील गोवर्धन में 9, छाता में 26, महावन में 27 और सदर तहसील में 17 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से कई का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी गरीब या फरियादी अनावश्यक परेशान न हो।

राजीव ज्योति सद्भावना यात्रा का मथुरा में स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। कर्नाटक के श्रीपेरंबदूर से शुरू हुई दिवंगत नेता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से राजीव ज्योति सद्भावना यात्रा का मथुरा पहुंचने पर गोवर्धन चौराहे पर स्वागत किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने बताया कि पिछले 34 वर्षों से निकाली जा रही राजीव ज्योति सदभावना यात्रा 9 अगस्त 2025 को कर्नाटक के श्रीपेरंबदूर से शुरू हुई थी। विभिन्न राज्यों से होती हुई 20 अगस्त को वीर भूमि नई दिल्ली पहुंचेगी। यात्रा का स्वागत करने वालों में पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि, जिला उपाध्यक्ष अप्रतिम सक्सेना, रमेश कश्यप, गौरी शंकर शर्मा, अमित खोकर, महेश चौबे, नवीन ठाकुर, आदित्य तिवारी जिलानी कादरी, मनोज गौड़, पंकज चौधरी आदि थे।

ग्राम गढ़ी भीमा में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ी भीमा में निःशुल्क लाइब्रेरी टीम के तत्वावधान में खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी इंजीनियर विजय पायला ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक विकास भी होता है। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान लाइब्रेरी टीम के सभी सदस्य तथा ग्राम गढ़ी भीमा के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रतियोगिता से गांव में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला।

चार बच्चों की मां ने चार साल में सुध ली अपने बच्चों की...

संवाददाता

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। करीब चार पहले किसी तांत्रिक के बहकावे में आकर पति और चार बच्चों को छोड़कर गई महिला अपने ससुराल वापस आ गई। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गांव सुदामा गढ़ी निवासी नाहर सिंह की शादी वर्ष 2012 में पूजा देवी के साथ हुई थी। उसके दो पुत्री तथा दो पुत्र हैं।

अब से पौने चार साल पहले चारों बच्चों को रोते बिलखते हुए छोड़कर चंद्रपाल सिंह निवासी थौरे, जेवर, अलीगढ़ के बहकावे में आकर उसके साथ चली गई थी। पति नाहर सिंह निवासी सुदामा गढ़ी ने अपनी पत्नी पूजा देवी को काफी ढूंढने के बाद घर से गायब होने की थाना सुरीर में चार जनवरी 2022 को गुमशुदी दर्ज कराई थी। आज सुबह पूजा देवी ने बताया कि चंद्रपाल सिंह निवासी थौरे, जेवर, अलीगढ़ नोएडा स्थित किराए के मकान में रहता है उसके चंगुल से निकलकर आ गई है। इसकी सूचना थाना सुरीर में दी है।

पूजा देवी ने बताया कि अब वह अपने बच्चों व पति के साथ रहना चाहती है। पति अपनी सूझबूझ से पूजा को अपने साथ घर ले गया।

विकसित भारत अभियान को गति देगा वैश्य समाजः डॉ. नीरज बोरा

इण्टरनेशनल वैश्य फेडरेशन की कोर कमेटी ने किया मंथन

यूनिक समय, लखनऊ। वैश्य समाज अपनी सांगठनिक क्षमता में वृद्धि करते हुए देश और प्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएगा। सोमवार को सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई रिसॉर्ट में आयोजित इण्टरनेशनल वैश्य फेडरेशन (आईवीएफ) उत्तर प्रदेश इकाई की कोर कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष एवं लखनऊ उत्तर से विधायक डॉ. नीरज बोरा ने की। डॉ. बोरा ने सामाजिक ताने–बाने को मजबूत कर विकसित भारत अभियान को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आईवीएफ एक मात्र ऐसा संगठन है जो वैश्य समाज के सभी घटकों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। बैठक में अग्रवाल, अग्रहरि, अयोध्यावासी, जायसवाल, पोरवाल, हलवाई, चौरसिया, साहू, वार्ष्णेय, रस्तोगी, स्वर्णकार, पटवा, जैन, बरनवाल समेत समाज के 18 से अधिक घटकों का प्रतिनिधित्व रहा।

इस दौरान सभी जिलों की संगठनात्मक समीक्षा की गई तथा जिला इकाइयों को सशक्त बनाने के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति की गई। उन्हें 15 सितंबर से पूर्व जिला प्रवास कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। हाल ही में डॉ. बोरा को आईवीएफ का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी और फूलमालाओं से स्वागत किया। पूर्व पार्षद रुपाली गुप्ता को लखनऊ महानगर इकाई की महिला शाखा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मिथलेश अग्रवाल, इंजीनियर जगमोहन गुप्ता, राममोहन गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार अजय जायसवाल, डॉ. धनंजय गुप्ता, राजेश शंकर राजू समेत कई पदाधिकारियों ने सुझाव दिए। आयोजन में अशोक अग्रवाल, शिवकुमार सोनी, जितेन्द्र रस्तोगी, प्रदीप जैन, रविकांत गोयल, विजय चौरसिया, अवधेश कौशल, ऋषभ गुप्ता, अल्पना गुप्ता, हिमांशु गर्ग सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने डाँगौली बाढ़ चौकी का किया निरीक्षण

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में बाढ़ के बढ़ते खतरे के मद्देनजर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने तहसील मांट के ग्राम पंचायत डाँगौली में स्थापित बाढ़ चौकी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाढ़ चौकी में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया और राहत एवं बचाव कार्य के लिए विभिन्न उपकरणों की उपलब्धता की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी मांट रितु सिरोही को निर्देश दिए कि बाढ़ चौकियों का निरंतर निरीक्षण किया जाए और प्रशासनिक अधिकारी नियमित भ्रमणशील रहें। उन्होंने यह भी कहा कि लेखपाल और ग्राम सचिव की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए तथा पुलिस क्षेत्र में निरंतर गश्त करती रहे। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान, सचिव, लेखपाल और तहसीलदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि जलभराव और पानी से प्रभावित फसलों का सर्वे गुणवत्तापूर्वक किया जाए। वर्षा से क्षतिग्रस्त मकानों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए और उनके मुआवजे की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। प्रशासन ने सुनिश्चित किया है कि सभी प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे समय पर किया जा रहा है और मुआवजे की प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन हर परिस्थिति के लिए तैयार है और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053